दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

वीकेंड पर महावतार नरसिम्हा की ...8

सिद्धार्थनगर

बुधवार, 06 अगस्त 2025

वर्ष: 12 अंक: 235 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/- रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

पुलिस नहीं रोक सकती पीडीए पाठशाला

अखिलेश बोले– सीएम खुद आकर हालात देखें

पीडीए पाठशाला को लेकर उठे विवाद के बीच, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि पुलिस पाठशाला को नहीं रोक सकती और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इसमें शामिल होकर हालात देखने चाहिए। मीडिया से बात करते हुए, यादव ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी तब तक छात्रों को पढ़ाना जारी रखेगी जब तक राज्य सरकार द्वारा बंद या विलय किए गए स्कूलों में नए शिक्षकों की भर्ती नहीं हो जाती। सपा प्रमुख ने कहा कि पीडीए पाठशाला को पुलिस नहीं रोक सकती। मुख्यमंत्री को स्वयं पाठशाला में शामिल होकर हालात देखने चाहिए। सरकार ने खुद स्वीकार किया है कि उसने कई स्कूल बंद कर दिए हैं और कुछ का विलय भी किया है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता तब तक छात्रों को पढ़ाते रहेंगे जब तक उन स्कूलों में नए शिक्षकों की भर्ती नहीं हो जाती। इससे पहले, उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सपा की 'पीडीए पाठशाला' में पढ़ाए जा रहे पाठों को लेकर उस पर कड़ा प्रहार किया और उस पर भाई–भतीजावाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि यह पार्टी की बुनियाद है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी बच्चों के भविष्य के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश कर रही है। चौधरी ने एएनआई से कहा, जब सपा सत्ता में थी, तब उन्होंने बच्चों के भविष्य के साथ छेड़छाड़ की और आज भी कर रहे हैं। अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए, सपा बच्चों को ए फॉर अखिलेश और डी फॉर डिंपल पढ़ाने की हद तक जा सकती है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आज लगभग 1 बजे नई दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उनका निधन हो गया, जहां उनका इलाज चल रहा था। मलिक ने अगस्त 2018 से अक्टूबर 2019 तक पूर्ववर्ती जम्मू और कश्मीर राज्य के 10वें और अंतिम राज्यपाल के रूप में कार्य किया और उनके कार्यकाल के दौरान ही 5 अगस्त 2019 को जम्मू और कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किया गया। बाद में, वे गोवा चले गए और 18वें राज्यपाल बने और अक्टूबर 2022 तक मेघालय के 21वें राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया। राजनेता के रूप में उनका पहला प्रमुख कार्यकाल 1974–77 के दौरान उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य के रूप में रहा। उन्होंने 1980 से 1986 और 1986–89 तक राज्यसभा में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। वे 1989 से 1991 तक जनता दल के सदस्य के रूप में अलीगढ़ से नौवीं लोकसभा के सदस्य रहे। वे अक्टूबर 2017 से अगस्त 2018 तक बिहार के राज्यपाल रहे। 21 मार्च 2018 को, उन्हें 28 मई 2018 तक ओडिशा के राज्यपाल के रूप में कार्य करने का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया। अगस्त 2018 में, उन्हें जम्मू और कश्मीर राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया गया। मलिक का जन्म उत्तर प्रदेश के बागपत के हिसावदा गाँव में एक जाट परिवार में हुआ था। उन्होंने मेरठ विश्वविद्यालय से विज्ञान स्नातक और एलएलबी की डिग्री हासिल की।

1968–69 में, मलिक छात्र संघ अध्यक्ष चुने गए, जिससे उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई। मलिक पहली बार किसी सार्वजनिक पद के लिए बागपत से विधान सभा के सदस्य के रूप में चुने गए थे, जब उन्होंने चरण सिंह के भारतीय क्रांति दल के सदस्य के रूप में सफलतापूर्वक चुनाव लड़ा था।

उत्तरकाशी में अचानक आई बाढ़ में बहे 40 से 50 घर, 100 से ज्यादा लोग लापता

4 की मौत, राहत और बचाव कार्य जारी

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में मंगलवार को अचानक आई बाढ़ में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोगों के लापता होने की आशंका है। हालांकि, ये आंकड़ा बढ़ भी सकता है। उत्तरकाशी के जिला मजिस्ट्रेट प्रशांत आर्य ने इसकी पुष्टि की। यह घटना तब हुई जब एक भीषण बादल फटने से होटल और होमस्टे समेत दर्जनों इमारतें बह गईं। घटनास्थल उत्तरकाशी जिले के हर्षिल के पास धराली गाँव में है। लगातार हो रही भारी बारिश पहाड़ी इलाकों में तबाही का सबब बन गई। जिले के हर्षिल क्षेत्र के धराली गाँव में बादल फटने की घटना हुई, जिससे खीर गंगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे भारी मलबा आ गया और धराली–खीर गंगा क्षेत्र में व्यापक नुकसान हुआ। बताया जा रहा है कि इस हादसे के समय धराली में स्थानीय और यात्रियों को मिलाकर 200 से ज्यादा लोग मौजूद थे। लगभग 20 लोगों को बचा लिया गया है और घायलों का इलाज चल रहा है। इसके कुछ समय बाद, भूस्खलन और बादल फटने की घटना ने सेना के शिविर और बचाव दल के एक हिस्से को भी प्रभावित किया। केंद्रीय और राज्य आपदा राहत बलों और राज्य सरकार ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। उत्तरकाशी जिला प्रशासन ने मदद चाहने वाले लोगों से 01374222126, 222722, 9456556431 डायल करने का आग्रह किया है। हरिद्वार स्थित जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र ने प्रभावित लोगों से 01374–222722, 7310913129, या 7500737269 डायल करने का आग्रह किया है और देहरादून स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से 0135–2710334, 0135– 2710335, 8218867005, या 9058441404 पर संपर्क किया जा सकता है। पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में राज्य आपदा परिचालन केंद्र में अधिकारियों के साथ बैठक की और उत्तरकाशी में बादल फटने की घटना के बाद स्थिति का जायजा लिया। एनडीआरएफ के डीआईजी मोहसेन शहीदी ने मंगलवार को बताया कि उत्तरकाशी के हर्षिल में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ के बाद तीन सुसज्जित टीमें भेजी गई हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 2 बजे हुई और शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि 40 से 50 घर बह गए हैं और 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। शहीदी ने कहा, 'बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाना होगा।' उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक टीम में खोज और बचाव में प्रशिक्षित 35 कर्मी शामिल हैं।

मनीष तिवारी ने टैरिफ पर डोनाल्ड ट्रंप की धमकी की आलोचना की, केंद्र से दृढ़ता दिखाने को कहा

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को लेकर भारत से आने वाले सामानों पर टैरिफ में भारी वृद्धि करने की ताजा धमकी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि लगातार डराने–धमकाने की कोशिशों का विरोध किया जाए। संसद के मानसून सत्र के दौरान बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए मनीष तिवारी ने उम्मीद जताई कि भारत सरकार डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का दृढ़ता से जवाब देने का दृढ़ संकल्प और हिम्मत दिखाएगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की अपमानजनक टिप्पणी ने 1.4 करोड़ भारतीयों के सम्मान और स्वाभिमान को ठेस पहुँचाई है। मुझे उम्मीद है कि सरकार इस सज्जन को जवाब देने का दृढ़ संकल्प और साहस दिखाएगी। तिवारी ने आगे कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के राष्ट्रपति द्वारा अंतरराष्ट्रीय संवाद में ऐसी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस निरंतर धौंस–धमकी और धमकी का विरोध करने का समय आ गया है। तिवारी ने आगे कहा कि भारत की ऐतिहासिक विरासत रही है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के लिए खतरा बनने वाली किसी भी चीज के खिलाफ खड़ा होता रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप की टैरिफ धमकियों का भारत सरकार को दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प के साथ सामना करना होगा। तिवारी की यह टिप्पणी सोमवार को भारत द्वारा अमेरिका और यूरोपीय संघ पर असामान्य रूप से तीखा पलटवार करने के कुछ घंटों बाद आई है, जिसमें उन्होंने रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए नई दिल्ली को अनुचित तरीके से निशाना बनाने का आरोप लगाया था। आलोचना को दृढ़ता से खारिज करते हुए, भारत ने इस मुद्दे पर उसे निशाना बनाने में दोहरे मानदंडों की ओर इशारा किया और कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध जारी रखे हुए हैं। विदेश मंत्रालय (डब्ल्यू) ने कहा, हमारे मामले के विपरीत, ऐसा व्यापार कोई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय बाध्यता भी नहीं है।' विदेश मंत्रालय ने देर शाम जारी एक बयान में कहा कि यूरोप–रूस व्यापार में न केवल ऊर्जा, बल्कि उर्वरक, खनन उत्पाद, रसायन, लोहा और इस्पात, मशीनरी और परिवहन उपकरण भी शामिल हैं।

मेरे से ट्यूशन ले लो, 40 साल से ज्यादा विपक्ष में...

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से ऐसा क्यों बोले जेपी नड्डा

नई दिल्ली। राज्यसभा के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच मंगलवार को सदन के अंदर सीआईएसएफ कर्मियों की कथित तैनाती को लेकर तीखी बहस हुई। विपक्षी दलों की ओर से मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सदन के वेल के पास सीआईएसएफ कर्मियों को तैनात किया है। खड़गे ने कहा कि हम इस बात से हैरान और स्तब्ध हैं कि कैसे सीआईएसएफ कर्मियों को सदन के वेल में दौड़ाया गया, जब सदस्य विरोध के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे थे। हमने कल और आज फिर ऐसा देखा।

खड़गे ने सवाल किया कि क्या हमारी संसद इस स्तर तक गिर गई है? यह बेहद आपत्तिजनक है और हम इसकी निंदा करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में, जब सदस्य जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होंगे, तो सीआईएसएफ कर्मी सदन के वेल में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि जब अरुण जेटली जी राज्यसभा में विपक्ष के नेता थे और सुषमा स्वराज जी लोकसभा में विपक्ष की नेता थीं, तो उन्होंने कहा था कि कार्यवाही में बाधा डालना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करना है। यह कोई बड़ी बात नहीं है। हम लोकतांत्रिक तरीके से विरोध कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। यह हमारा अधिकार है।

हालांकि, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने खड़गे के दावों का खंडन किया और कहा कि यह सीआईएसएफ कर्मियों का नहीं, बल्कि संसदीय सुरक्षा का मामला था। उन्होंने स्पष्टीकरण दिया। हालांकि, खड़गे के आरोपों का जवाब देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि आपने स्पष्ट कर दिया है कि कार्यवाही में बाधा डालना अलोकतांत्रिक है। अगर मैं बोल रहा हूँ और कोई मेरे पास आकर नारे लगाने लगे, तो यह लोकतंत्र नहीं है। यह काम करने का सही तरीका नहीं है। मैं खुद लंबे समय तक विपक्ष में रहा हूँ, और मैं कहूँगा कि विपक्ष के रूप में कैसे काम किया जाता है, यह मुझसे सीखिए क्योंकि आप अगले 40 साल तक विपक्ष में रहेंगे।

विपक्ष की आलोचना करते हुए नड्डा ने कहा कि उनका व्यवहार न केवल अलोकतांत्रिक है, बल्कि अराजकता पैदा करने का प्रयास भी है। उन्होंने कहा, 'लोकतंत्र की उनकी अवधारणा उसी क्षण समाप्त हो जाती है जब वे अपनी सीट छोड़कर सत्तारूढ़ दल के किसी सदस्य को, जिसे बोलने का अधिकार है, परेशान करना शुरू कर देते हैं। यह न केवल अलोकतांत्रिक है, बल्कि अराजकता पैदा करने का प्रयास भी है।'

देश के लोगों जाग जाओ... पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने क्यों कहा ऐसा?

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि आज का दिन न केवल जम्मू–कश्मीर बल्कि पूरे देश के लिए काला दिन है। आज के दिन संसद में देश के संविधान की धज्जियां उड़ा दी गई थी। सरकार ने बहुमत का इस्तेमाल करके जम्मू–कश्मीर से धारा 370 और 35 ए खत्म कर दिया था। मैं अपने देश के लोगों से कहना चाहती हूं कि जाग जाओ। आज नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अनुच्छेद 370 को हटाए जाने की छठी वर्षगांठ पर इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इससे पहले जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे से संबंधित अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाए जाने की छठी वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक की और माना जा रहा है कि उन्होंने देश में सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और खुफिया ब्यूरो के निदेशक (डीआईबी) तपन डेका ने संसद भवन परिसर स्थित उनके कक्ष में गृह मंत्री से मुलाकात की।

बीजापुर में नक्सलियों का लगाया हुआ प्रेशर बम फटने से एक व्यक्ति घायल

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मंगलवार को नक्सलियों द्वारा लगाया गया प्रेशर बम फटने से 24 वर्षीय एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिले में पिछले 48 घंटों में यह इस तरह की दूसरी घटना है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना आज सुबह करीब आठ बजे हुई जब प्रमोद कारके नामक व्यक्ति उसूर थाना क्षेत्र के गुंजेपरती गांव के पास एक जलाशय में नहाने गया था। उन्होंने बताया कि इलिमिडी थाना क्षेत्र का निवासी कारके गुंजेपरती में अपने रिश्तेदार के यहां आया हुआ था।

फिलीपींस के साथ संबंधों की 75वीं वर्षगांठ, द्विपक्षीय सहयोग को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर बनी सहमति

नई दिल्ली। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड रोमुअलडेज मार्कोस जूनियर की यात्रा पर सचिव (पूर्व) पी. कुमारन ने कहा कि यह यात्रा कल शुरू हुई और 8 अगस्त तक चलेगी। राष्ट्रपति मार्कोस की आधिकारिक तौर से यह पहली भारत यात्रा है। यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 1949 में फिलीपींस के साथ राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। इस यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मार्कोस दोनों ने भारत–फिलीपींस द्विपक्षीय सहयोग को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक सहयोग, रक्षा सुरक्षा और समुद्री सहयोग, व्यापार और निवेश सहयोग, स्वास्थ्य सेवा और फार्मा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कनेक्टिविटी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, फिनटेक, कांसुलर मामलों, संस्कृति, पर्यटन, लोगों के बीच संबंधों और पारस्परिक हित के क्षेत्रीय, बहुपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर घनिष्ठ सहयोग सहित कई क्षेत्रों में हमारे संबंधों को आगे बढ़ाना है। विदेश सचिव (पूर्व) पी कुमारन ने कहा दिल्ली पहुंचने पर आज सुबह राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत किया गया। इसके बाद राजघाट का दौरा किया गया, जहाँ राष्ट्रपति ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद राष्ट्रपति मार्कोस ने प्रधानमंत्री के साथ व्यापक और उत्पादक द्विपक्षीय वार्ता की, शुरुआत में प्रतिबंधित प्रारूप में और फिर पूर्ण प्रतिनिधिमंडल प्रारूप में। प्रधानमंत्री ने उनके लिए दोपहर के भोजन का भी आयोजन किया। राष्ट्रपति मुर्मू भी राष्ट्रपति मार्कोस के सम्मान में एक भोज का आयोजन करेंगी, जिसका आयोजन भी कल किया गया था। यह यात्रा कल शुरू हुई और 8 अगस्त तक चलेगी। राष्ट्रपति मार्कोस की आधिकारिक हैसियत से यह पहली भारत यात्रा है। यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 1949 में फिलीपींस के साथ राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। इस यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मार्कोस दोनों ने भारत–फिलीपींस द्विपक्षीय सहयोग को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक सहयोग, रक्षा सुरक्षा और समुद्री सहयोग, व्यापार और निवेश सहयोग, स्वास्थ्य सेवा और फार्मा विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कनेक्टिविटी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, फिनटेक, कांसुलर मामलों, संस्कृति, पर्यटन, लोगों के बीच आदान–प्रदान और पारस्परिक हित के क्षेत्रीय, बहुपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर घनिष्ठ सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में हमारे संबंधों को आगे बढ़ाना है।

यौन अपराधियों के लिए क्या भारतीय जेल बन गई Holiday Home? 8 साल में 14वीं बार पैरोल पर बाहर आया राम रहीम

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को मंगलवार को 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद हरियाणा की सुनारिया जेल से फिर रिहा कर दिया गया।

हत्या और बलात्कार के मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से यह 14वीं बार है जब उन्हें जेल से बाहर जाने की अनुमति दी गई है। भारी पुलिस सुरक्षा के बीच, राम रहीम सुबह–सुबह जेल परिसर से निकलकर सिरसा स्थित डेरा मुख्यालय के लिए रवाना हुए। उनकी पैरोल और फर्लो की आवृत्ति और अवधि के कारण उनकी रिहाई ने एक बार फिर ध्यान आकर्षित किया है। इससे पहले इसी साल 9 अप्रैल को उन्हें 21 दिन की फर्लो पर रिहा किया गया था। इससे पहले, उन्हें कई बार अस्थायी रिहाई दी गई थी, जिससे गंभीर आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को दी गई रियायत पर सवाल उठे थे और विभिन्न वर्गों से आलोचना हुई थी।

हर मां की सुरक्षा जरूरी, मां ही बच्चों का जीवन संवारती है: राज्यपाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मंगलवार को बस्ती पहुंचीं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उन्होंने सबसे पहले वि विज्ञान केंद्र बंजरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रधानमंत्री की स्वदेशी सामान अपनाने की अपील को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि देशवासियों को स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि हमारे पशु घास खाते हैं, जबकि विदेशों में मांस खाने वाले पशुओं का दूध हमारे लिए उचित नहीं। उन्होंने डेयरी उत्पादों के आयात पर टैरिफ बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसके बाद वह अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम पहुंचीं जहां जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई। इसके बाद छोटे बच्चों ने 'सारे जहां से अच्छा' और 'चंदा ने पूछा तारों से' आदि गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। 'लंबी दाढ़ी वाला पौधा', 'अहा टमाटर बड़े मजेदार' तथा 'देश रंगीला रंगीला' जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये बच्चों ने खूब वाहवाही लूटी। राधा शुक्ला ने 'विकसित भारत' विषय पर व्याख्यान दिया। हरैया विधायक अजय सिंह ने बस्ती के ऐतिहासिक व पौराणिक महत्व पर प्रकाश डाला। एमएलसी सुभाष यदुवंशी ने भी अपने विचार रखे। मौके पर कई लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भावुक सम्बोधन दिया। उन्होंने कहा बेटियां प्यारी हैं तो एचपीवी वैक्सीन जरूर दिलवायें। यह वैक्सीन बेटियों को कैंसर से बचाने में सहायक है। उन्होंने बताया कि यूपी में अब तक 4 लाख लोगों को टीबी से मुक्त कराया गया है। लगातार जारी जागरूकता कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। राज्यपाल ने अपने भावुक संदेश में कहा हर मां की सुरक्षा जरूरी है। "सास–बहू के तानों से बच्चों का जीवन नहीं बनता, मां ही बच्चों का भविष्य संवारती है।" अनेक महत्वाकांक्षी सरकारी योजनायें हैं, उन्हें जरूरतमंदों तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। आंगनवाड़ी का महत्व बताते हुये राज्यपाल ने कहा हर आंगनबाड़ी में त्योहारों और संस्कारों के कार्यक्रम होने चाहिये जिससे बच्चों में राष्ट्रभक्ति और संस्कृति पनपे। "राष्ट्र निर्माण केवल गणित से नहीं, संस्कारों और देशभक्ति से होता है।" "स्वस्थ जीवन जीना है तो केमिकल युक्त भोजन और मोटापा दोनों से दूर रहना होगा।" राज्यपाल ने "प्रधानमंत्री की अपील दोहराते हुये कहा हर घर में 10 प्रतिशत तेल का उपयोग कम करें, बच्चों का स्वास्थ्य संभालें।" "नशा मुक्त भारत का सपना क्या सरकार अकेले पूरा कर सकती है? घर–घर से अभियान शुरू करें।" "बेटी को पढ़ाने के लिए पैसे नहीं, लेकिन नशे के लिए पैसे हैं ये मानसिकता बदलनी होगी।" राज्यपाल ने कलेक्ट्रेट में ट्रांसजेन्डरों की मीटिंग को सम्बोधित किया। इसके साथ ही कप्तानगंज में ट्रांसजेन्डरों के आनलाइन विद्यालय का उद्घाटन और ओडीओपी के तहत स्थापित सिद्ध मित्र फर्नीचर यूनिट का अवलोकन करने के उपरान्त पुनः राजधानी लखनऊ वापस हो गईं।

नाली का टूटे हुए ढक्कन से हादसे का खतरा बढ़ा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी के गांधी आदर्श

विद्यालय इण्टर कालेज की तरफ जाने वाली सड़क के मोड़ पर बनी नाली का ढक्कन टूटा है। इससे आने–जाने वालों को काफी दिक्कतें हो रही हैं। विद्यालय के बच्चों के नाली में गिरने का खतरा बना रहता है। जिम्मेदारों से इसे दुरुस्त करवाने के लिए कई बार कहा गया, लेकिन अभी तक बन पाया है। नगर के विजय वर्मा, बबलू, श्यामदेव, करन कश्यप, राजेश पाठक आदि ने नगर पंचायत से ढक्कन लगवाने की मांग की है।

नहीं बना पुल का एप्रोच, हादसे के खतरे से लोग परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बढ़नी क्षेत्र के एनएच–730

मालगहिया ग्राम के पास से मिश्रौलिया जाने वाली सड़क पर नहर की एप्रोच दोनों तरफ नहर विभाग की ओर से नहीं बनाई गई है। इससे लोग गिर कर जख्मी हो रहे हैं। बरसात के दिनों में पैदल तथा बाइक आदि से जाने वाले लोग गिर जा रहे हैं। गांव के प्रभु यादव, सन्तराम आदि ने बताया कि कई बार नहर विभाग से शिकायत की गई है, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी इस एप्रोच को नहर विभाग के द्वारा नहीं बनाया गया। जिससे लोगों में आक्रोश है। इस सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता नहर विभाग डीपी वर्मा ने बताया कि शासन द्वारा बजट की मांग की गई है। बजट मिल गया है, जल्द ही इस कार्य को पूरा कर दिया जायेगा।

जनेश्वर मिश्र समाजवाद की चलती फिरती पाठशाला थे: महेन्द्रनाथ यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। समाजवादी चिन्तक अपनों में छोटे लोहिया के रूप में लोकप्रिय पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। मंगलवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय में बस्ती सदर विधायक एवं सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने उन्हें याद किया। महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि वे आखिरी सांस तक समाजवादी थे और उन्हें समाजवाद की चलती फिरती पाठशाला कहा जाता था। राजनीति में उन्होंने सदैव सादगी बनाये रखी और कार्यकर्ताओं को सर्वोच्च सम्मान दिया। युवा पीढ़ी को उनके जीवन संघर्ष और राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरणा लेनी चाहिये। कहा कि आज जब देश में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण हो रहा है ऐसे में हमें अपने गंगा जमुनी तहजीब को बचाये रखना होगा, यही जनेश्वर मिश्र जैसे महान नेता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, दयाशंकर मिश्र, श्रीपति सिंह, समीर चौधरी, आर.डी. गोस्वामी, गीता भारती, मो. स्वालेह, रविन्द्र यादव, जमील अहमद, रन बहादुर यादव, मो. उमर, बृजेश मिश्र, रामशंकर निराला, घनश्याम यादव, चन्द्रिका यादव, संजय गौतम, हरीश गौतम, आर.डी. निषाद, अजय यादव आदि ने जनेश्वर मिश्र को नमन् करते हुये कहा कि जनेश्वर मिश्र के प्रभाव से बड़ी संख्या में युवा जुड़े और समाजवादी विचारधारा को देश भर में स्वीकारोक्ति मिली। वक्ताओं ने स्मृतियों को साझा करते हुये कहा कि बस्ती से जनेश्वर मिश्र का विशेष लगाव था, वे जब आते तो सबसे मिलने की कोशिश करते। कहा कि कार्यकर्ताओं के लिये उनके मन में विशेष सम्मान था। सादगी उनके राजनीति की विशेषता थी। उन्होंने कभी दिखावे की राजनीति नहीं की और गांव, गरीब, आम आदमी की पीड़ा में सड़क से संसद तक स्वर देते रहे। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। कहा कि सात बार केन्द्रीय मंत्री रहने के बाद भी उनके पास न अपनी गाड़ी थी और न ही बंगला। इनके नाम पर लखनऊ में एशिया का सबसे बड़ा सुन्दर पार्क सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव के प्रेरणा से उत्तर प्रदेश के पूर्व युवा मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा निर्माण कराया गया। ऐसे महापुरुष को सदैव स्मरण किये जाने की जरूरत है। जयन्ती पर जनेश्वर मिश्र को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से राहुल सिंह, फूलचन्द भारती, मुरलीधर पाण्डेय, पंकज निषाद, राजेश पटेल, पूर्णमासी यादव, बैजनाथ शर्मा, आशुतोष पाण्डेय, रहमान सिद्दीकी, गुलाब सोनकर, प्रशान्त यादव, रामचन्द्र यादव, युनुस आलम, छोटू मिश्रा, गौरीशंकर यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

कार्डधारकों ने कोटेदार के अनियमितता की डीएम से की शिकायत

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत जगरनाथिया के राशन कार्ड धारकों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए कोटेदार पर प्रतिबंधित माध से राशन वितरण करने का आरोप लगाया है। गांव के नसीम अहमद, राजकुमार, इन्द्रसेन, शक्तिमान, धर्मजीत, अबु बकर, बृजलाल, निर्मला, बबई, विनोद आदि ने महजरनामा बनाकर शिकायत करते हुए डीएम से कहा है कि कोटेदार द्वारा राशन में घटतौली की जाती है। ई–केवाइसी का झूठा जानकारी देकर राशन कार्ड धारकों को परेशान किया जाता रहा है। ऐसे में कई राशन कार्ड धारकों का नाम सूची से कट जाने का भी ग्रामीणों ने आरोप लगाया। ग्रामीण का कहना है कि आपूर्ति विभाग के अधिकारियों और कोटेदार की मिलीभगत से गांव की जनता परेशान हो रही है।

वर्षा व हवा से एनएच–730 पर गिरा पेड़, घंटों बन्द रहा आवागमन

दैनिक बुद्ध का संदेश

चिल्हिया/सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय राजमार्ग–730 चिल्हिया थाना

शोहरतगढ़ मार्ग पर परसिया के समीप सोमवार को तेज हवा व भारी वर्षा के चलते सड़क के पास खड़े दो पेड़ गिर गये। इससे आवागमन घन्टों भर के लिए बन्द हो गया। कुछ देर बाद चिल्हिया पुलिस पहुंच कर पेड़ को काटकर हटवा दिया। तब जाकर आवागमन बहाल हुआ। इस दौरान दोनों तरफ से वाहनों की लम्बी कतार लग गई थी।

एकल अभियान के 300 विद्यालय छात्रों को दे रहे हैं नि:शुल्क शिक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। एकल अभियान द्वारा संचालित जनपद के 300 विद्यालयों के अंचल और संच समितियों का प्रशिक्षण प्रेस क्लब सभागार में

सम्पन्न हुआ। एकल अभियान के प्रभाग गतिविधि प्रमुख मालिक राम ने विद्यालयों के संचालन, संसाधन, शिक्षकों की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दिया। कहा कि अभियान से जुड़े लोग शिक्षा के क्षेत्र में निःशुल्क योगदान देकर देश के लिये समर्थ पीढ़ी तैयार कर रहे हैं। ग्राम पंचायतों में 4 से 14 वर्ष के छात्रों को नियमित सायं 3 से 6 बजे तक शिक्षा और खेल कूद के माध्यम से उन्हें सुयोग्य नागरिक बनाने की दिशा में योगदान दिया जाता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारतीय विकास परिषद के प्रान्तीय अध्यक्ष डा. डी.के. गुप्ता ने कहा सबके समन्वय और सहयोग से ही एकल अभियान अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकेगा। संभाग अभियान के संरक्षक सुभाष चन्द्र शुक्ल, प्रमुख संजय सुर्या, अंचल अध्यक्ष सूर्य कुमार शुक्ल, पंकज आदि ने एकल अभियान को पूरी निष्ठा और समग्रता के साथ संचालित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से इन्द्रपाल, पवन कुमार, दीपक कुमार, वीरेन्द्र यादव, गुड़िया, कनिकराम, रामकिशोर, पूनम, रेखा, ममता, विमलावासिनी, नीरज पाण्डेय, राजन कुमार गुप्ता, शोभनरायन गुप्ता, अदालत, सौरभ पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

विद्या मंदिर रामबाग का छात्र संसद शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबाग– बस्ती के छात्र संसद का बस्ती के प्रसिद्ध कद्दर शिव मंदिर पर शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कद्दर शिव मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य वेद प्रकाश त्रिपाठी जी रहे। ज्ञात हो कि छात्रों में संविधान के प्रति रुचि जगाने और नागरिक दायित्व का बोध कराने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष विद्यालय में छात्र संसद का गठन होता है। कार्यक्रम में सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबाग बस्ती के प्रधानाचार्य गोविंद सिंह, सरस्वती शिशु मंदिर रामबाग बस्ती के प्रधानाचार्य भानु प्रताप त्रिपाठी प्रकाश त्रिपाठी, सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबाग बस्ती के छात्र संसद प्रमुख प्रकाशानंद सिंह, सह छात्र संसद प्रमुख वायु नंदन मिश्र, विद्या मंदिर रामबाग के आचार्य दिनकर त्रिपाठी, शिवेंद्र प्रताप सिंह आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही। शपथ ग्रहण समारोह में छात्र संसद के प्रधानमंत्री समर्थ शुक्ल, उप प्रधानमंत्री अभिनव शुक्ल, मुख्य न्यायाधीश युवराज द्विवेदी, अनुशासन मंत्री लक्ष्य भारद्वाज, सेनापति वेंकटेश रमन पांडेय शाहिद सभी मंत्रियों एवं सांसदों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविंद सिंह ने सभी सांसदों, मंत्रियों एवं प्रधानमंत्री आदि को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को अपने दायित्व का वर्ष भर सही ढंग से निर्वहन करना चाहिए जिससे छात्रों की समस्याओं का समाधान हो सके तथा विद्यालय प्रगति के पथ पर और तेजी से आगे बढ़ सके।

थाना कपिलवस्तु में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ.

अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत शौर्य के पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक कपिलवस्तु बृजेश सिंह ने मंगलवार को थाना प्रांगण में आगामी त्यौहार रक्षाबंधन, 15 अगस्त, चेहल्लुम एवं जन्माष्टमी के सम्बन्ध में ग्राम प्रधान, सम्भ्रान्त व्यक्तियों, धर्मगुरुओं/सदस्यों के साथ पीस कमेटी की मीटिंग की गई। सभी से शान्तिपूर्ण, सौहार्दपूर्वक त्यौहार को मनाये जाने की अपील की। बैठक में मौजूद सभी व्यक्तियों से त्यौहार के विगत शासन/उच्चाधिकारीगण द्वारा प्राप्त गाइडलाइन से अवगत कराया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष कपिलवस्तु बृजेश सिंह सहित तमाम ग्राम प्रधान, सम्भ्रान्त व्यक्तियों धर्मगुरुओं/सदस्यों व पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

सीमा सुरक्षा को लेकर एसडीएम ने किया बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और चुस्त करने हेतु तहसील प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सोमवार को अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद व एसएसबी के डिप्टी कमान्डेंट यशवन्त कुमार ने एसडीएम राहुल सिंह के साथ बैठक कर सीमा सुरक्षा पर विस्तृत चर्चा की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा सीमा पर निगरानी, गश्ती, खुफिया सूचना तंत्र और अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर सम्भावित गतिविधियों की रोकथाम को लेकर विस्तृत जानकारी ली गई। एसडीएम ने कहा कि सीमा पर खाद्यान्न तस्करी, खाद तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी आदि को आपस में समन्वय बना रोकने की जरूरत है। सीओ परवीन प्रकाश, तहसीलदार अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

सावन के चौथे सोमवार पर हर–हर महादेव से गूंजे शिवालय, भक्तों ने किया जलाभिषेक

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/बढ़नी। सावन तमाम घाटों के तट पर आस्था की डुबकी लगाने वालों की भारी कमी नहीं दिखी। शिवालयों में भी भक्तों की उपस्थिति श्रद्धालुओं की लम्बी कतारें लगी रहती हैं। इस अवसर पर

मास का चौथा सोमवार नगर पंचायत शोहरतगढ़ व बढ़नी के लिए आस्था और भक्ति का एक अनुपम संगम बनकर सामने आया। सुबह की पहली किरण के साथ ही नगर पंचायतों के विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। हर–हर महादेव व बम–बम भोले और जय भोलेनाथ के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंज उठे। भक्तों ने उपवास रखकर भगवान भोलेनाथ की पूजा–अर्चना की और अपने परिवार के लिए सुख, शान्ति और समृद्धि की कामना की। भीड़ ने इस पवित्र दिन को और भी खास बना दिया। जनपद सिद्धार्थनगर के नगर पंचायत शोहरतगढ़ व बढ़नी में श्रावण मास के चौथे सोमवार को शिवालयों और मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। सुबह से ही भक्त भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए जल, दूध और बेलपत्र चढ़ाने में व्यस्त रहे। दोनों पंचायतों के शिव मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। लगातार हो रही बारिश के बावजूद भक्तों की आस्था में कोई उल्लेखनीय रही। स्थानीय लोगों का मानना है कि भगवान शिव संकटों का नाश करने वाले हैं। विशेष रूप से शोहरत सिंह मंदिर में भगवान शिव के भक्त द्वारा जो चीज मांगी जाती है, भगवान मुरादें पूरी करते हैं। इस कारण दूर–दराज से लोग यहां दर्शन करने आते हैं। बुजुर्गों के अनुसार भगवान शिव यहां सभी की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। पण्डितों ने बताया कि श्रावण मास में यहां प्रतिदिन दर्जनों रुद्राभिषेक होते हैं। देवों के देव महादेव के दर्शन के लिए चेयरमैन उमा अग्रवाल, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, मन्टू जायसवाल, संजय कौशल, भोला कसौधन, अनूप कसौधन, मनीष श्रीवास्तव सहित चेयरमैन सुनील अग्रहरि, उनके साथी व्यय प्रसाद चतुर्वेदी, तन्मय अग्रहरि, विजय, यश अग्रहरि, सूरज अग्रहरि, विष्णु अग्रहरि, राजकुमार, राहुल रामराज कन्नौजिया, बृजेश अग्रहरि, जगत राम मौर्य (मुन्नू मौर्य), संजय अग्रहरि सहित तमाम लोगों व दर्जनों महिलाओं ने भी भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

समाजवाद के पुरोधा छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र जयन्ती आज

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के बड़े समाजवादी नेताओं में शुमार जनेश्वर मिश्र की मंगलवार को जयन्ती मनाई गई। स्व0 मिश्र को छोटे लोहिया भी कहा जाता है। वे समाजवादी पार्टी के एक राजनेता थे। समाजवादी विचारधारा के प्रति उनके दृढ़ निष्ठा के कारण वे "छोटे लोहिया" के नाम से प्रसिद्ध थे। वे कई बार लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहे। उन्होंने मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चन्द्रशेखर, एच.डी. देवगौड़ा और इन्द्रकुमार गुजराल के मंत्रिमण्डलों में काम किया। 07 बार केन्द्रीय मंत्री रहने के बाद भी उनके पास न अपनी गाड़ी थी और न ही बंगला। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव हों या सपा मुखिया अखिलेश यादव, समाजवाद पर बोलते हुए दोनों ही जनेश्वर मिश्र का नाम जरूरी तौर पर लेते हैं। इनके नाम पर लखनऊ में एशिया का सबसे बड़ा सुन्दर पार्क सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव के प्रेरणा से उत्तर प्रदेश के पूर्व युवा मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा निर्माण कराया गया। जनेश्वर मिश्र का जन्म 5 अगस्त 1933 को बलिया के शुभनथही के गांव में हुआ था। उनके पिता रंजीत मिश्र किसान थे। बलिया में प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के बाद 1953 में इलाहाबाद पहुंचे जो उनका कार्यक्षेत्र रहा। जनेश्वर को आजाद भारत के विकास की राह समाजवादी सपनों के साथ आगे बढ़ने में दिखी और समाजवादी आन्दोलन में इतना पगे कि उन्हें लोग "छोटे लोहिया" के तौर पर ही जानने लगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष– समाजवादी पार्टी शिक्षक सभा व यश भारती सम्मानित नगेन्द्र मिश्रा उमवालक ने 5 अगस्त छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की महान एवं समृद्ध परम्परा की स्मृतियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि शून्य और निराशा भरे राजनैतिक परिदृश्य में आपके अनुभवजनित एवं संघर्षगामी जीवनयात्रा के मूल्य संजोये सामाजिक आन्दोलन के पहरुआ अखिलेश यादव के समतावान नेतृत्व में लोहिया दर्शन के समता और सम्पन्नता आधारित समाज निर्माण में अपनी ईमानदार भूमिका का निर्वहन कर रहा हूं। आपके सान्निध्य में समाजवाद की जो समझ बनी, उसी लक्ष्य के लिए आजीवन समर्पित रहूंगा।

विपक्षियों ने जमीन पर जबरदस्ती करा लिया निर्माण, जबकि कोर्ट से है मिला स्टे आर्डर

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के बिस्कोहर से एक बेहद गम्भीर भूमि विवाद मामला सामने आया है, जहां एक स्थानीय निवासी ने न्याय न मिलने की स्थिति में आत्मदाह तक की चेतावनी दी है। मामला नगर पंचायत बिस्कोहर क्षेत्र से जुड़ा है, जहां जमीन विवाद को लेकर पीड़ित ने प्रशासन पर संगीन आरोप लगाये हैं। नगर पंचायत बिस्कोहर क्षेत्र के निवासी अनिल पाण्डेय का ने बताया कि उनकी जमीन पर जबरदस्ती निर्माण कराया गया है, जिसको लेकर न्यायालय का स्टे भी था। पीड़ित अनिल पाण्डेय ने आगे बताया कि डुमरियागंज सीओ, एसओ त्रिलोकपुर, चौकी प्रभारी बिस्कोहर सहित कालिया बाबा सभी लोगों ने मिलकर इस काम को अंजाम दिया। लेकिन कोर्ट ने संज्ञान लिया है और नोटिस जारी हो गई है, अब न्यायालय में आकर जवाब देंगे। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि विपक्षियों (उन लोगों के उपर) पर सीओ साहब की घनघोर पा बरस रही है। विपक्षी उनके खिलाफ कभी छेड़खानी की तो कभी रंगदारी मांगने का तहरीर दिलाते हैं। पीड़ित को दिये नोटिस 28 तारिख को मिला है और 29 तारीख को सीओ कार्यालय पर बयान देना था। सीओ कार्यालय पर जाने के बाद वहां जो दिवान है ने कहा कि आप जा सकते हैं। आप का बयान सीओ साहब लेंगे। दूसरे दिन जब हमारे वकील पूछने गये की किस प्रकरण में बुलाया जा रहा है, तो बताया गया गाली गलौज व पैसा मांगने का आरोप है। पीड़ित सीओ कार्यालय में तीन बार जा चुका था। यही पूर्व में भी छेड़खानी की तहरीर दिया गया था। उस वक्त सीओ महेन्द्र सिंह राणा थे, जो उन्होंने ने रिपोर्ट लगाया था कि सब आरोप निराधार है। यह मामला जमीनी प्रकरण है। इस बार फिर सीओ साहब के कहने पर झूठी तहरीर दिया गया है। आपको बताते चले कि पीड़ित ने कहा की डीएम व एसपी सभी को अवगत करा दिया है। पीड़ित ने डीएम व कप्तान साहब पर भरोसा जताते हुए कहा कि न्याय के लिए भटक रहा हू।

अगर न्याय नहीं मिला तो अब आत्मदाह कर लूंगा। मुझे सीओ डुमरियागंज प्रताड़ित कर रहे है। पीड़ित ने कहा कि मैं बेबस, परेशान हो चुका हू और सीओ साहब न्याय से दूर बता रहे हैं। कुछ भू–माफियाओं ने सीओ डुमरियागंज से मिलीभगत कर उनकी जमीन पर जबरन निर्माण करा दिया। मामला अदालत में गया और स्टे ऑर्डर मिला, मगर कोर्ट के आदेश की भी खुलेआम ठेंगा दिखाकर धज्जियां उड़ा रहे हैं।

बालक की पोखरे में डूबने से मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश
कठेला/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र कठेला समयमाता अन्तर्गत ग्राम पंचायत कठेला जनूबी के टोला कोपटहिया में रविवार को गायब हुए 10 वर्षीय बालक का शव सोमवार को गांव के पोखरे में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक थाना कठेला समयमाता अन्तर्गत ग्राम पंचायत कठेला जनूबी के कोपटहिया टोला निवासी रमेश ने रविवार को अपने पुत्र 10 वर्षीय राजा बाबू उर्फ ढोले के गायब होने की सूचना थाने पर दिया था। जिसके बाद पुलिस ने बालक के गुमशुदगी का मुकदमा भी दर्ज कर लिया था। इधर परिजनों ने गांव के लोगों के साथ उसकी तलाश जारी रखा। सोमवार को सुबह लगभग 10 बजे टोले के दक्षिण तरफ पोखरे में कुछ लोगों ने राजा बाबू की लाश देखी। जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दिया। परिजनों के मुताबिक मृतक बालक को मिर्गी का दौरा आता था। घटना से पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गयी। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। इस सम्बन्ध में कठेला समयमाता एसओ अभय सिंह ने बताया कि मृतक को मिर्गी का दौरा पड़ता था। संभवतः मौत का कारण वही है। पीएम रिपोर्ट के बाद कारण स्पष्ट हो जायेगा।

पूर्व मंत्री ने डोमेश्वर नाथ बाबा मंदिर में किया जलाभिषेक

दैनिक बुद्ध का संदेश
इटवा/सिद्धार्थनगर। श्रावण मास के पावन अवसर पर पूर्व मंत्री डॉ0 सतीश द्विवेदी ने सोमवार को भनवापुर ब्लॉक अन्तर्गत आस्था का केन्द्र बाबा डोमेश्वर नाथ मंदिर पहुंचकर विधिवत जलाभिषेक कर भगवान शिव का पूजन–अर्चन किया। डॉ0 द्विवेदी ने शिवभक्तों के बीच पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया और क्षेत्र की सुख–समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना किया। मंदिर परिसर में स्थानीय श्रद्धालुओं व कार्यकर्ताओं ने उनका पुष्प–मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित है और इस माह में शिवभक्ति से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ धर्म और संस्कृति से जुड़ाव बनाये रखें। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता जय प्रकाश पाण्डेय, अमित पाण्डेय, फलफली चौधरी, राजा त्रिपाठी, शुभम पाण्डेय, सत्यम मोदनवाल सहित स्थानीय नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम सेखुई में आवास सत्यापन में पैसे और पहुंच का है बोलबाला

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के विकास खण्ड बांसी अन्तर्गत ग्राम सेखुई में आवास सत्यापन को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर गम्भीर आरोप लगाये हैं। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि आवास सत्यापन में पैसे और पहुंच का बोलबाला है। आपको बता दें कि ग्राम प्रधान की मिलीभगत से जिम्मेदार गांव में अपात्र को पात्र और पात्र को अपात्र बना रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप आवास सत्यापन कर्ता जिम्मेदार प्रधानों के साथ कदमताल कर चुनाव को भी साध रहे हैं। सन्निकट पंचायत चुनाव के मद्देनजर चहेतों को विधि विरुद्ध भी जाकर लाभ देने का प्रयास कर रहे हैं। विकास खण्ड बांसी अन्तर्गत ग्राम सेखुई का पूरा मामला है।

बारिश में नाले का गन्दा पानी मन्दिर परिसर में घुसने से श्रद्धालु परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। बारिश के दौरान सोमवार को बारिश का पानी

से भरे नाले का गन्दा पानी मन्दिर परिसर में घुस गया। जबकि आज सावन का चौथा सोमवार था, जिसको लेकर मंदिर में भीड़ थी। आपको बता दें कि सिद्धार्थनगर के बेलहिया चौराहा स्थित दुर्गा मन्दिर परिसर में श्रद्धालुओं (पुरुष और महिलाएं) ने गन्दे पानी में घुसकर पूजा अर्चना की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। नगरपालिका परिषद की लापरवाही से नहीं हुई नाले की सफाई नहीं हुई थी, जिसको लेकर गन्दा पानी मन्दिर परिसर में भर गया था। जबकि सावन के चौथे सोमवार को मन्दिर में पूजा करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ भी उमड़ी हुई थी। बारिश में मंदिर परिसर में 2 फीट नाले का गन्दा पानी भरने से श्रद्धालु काफी परेशान थे और प्रशासन और जिम्मेदार बारिश में बेखबर थे।

अब शहर की तरह ही गांवों में जरूरतों के महिला–पुरुष एवं बच्चों के परिधान मिलेंगे : डा0 पवन मिश्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। श्रावण मास के चतुर्थ सोमवार को भटाव चौराहे पर चौधरी रेडीमेड एवं फुटवियर की नवीन प्रतिष्ठान का शुभारंभ हुआ। इस प्रतिष्ठान का शुभारम्भ प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष डा0 पवन कुमार मिश्रा एवं भाजपा मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस दौरान डा0 पवन कुमार मिश्रा ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए बड़े गौरव का क्षण है कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरी क्षेत्र की तरह की लोगों के जरूरतों के महिला–पुरुष एवं बच्चों के परिधान मिलेंगे। इससे आम जनमानस के धन एवं समय की बचत भी होगी। इस दौरान शिवशक्ति शर्मा ने कहा कि भटाव चौराहा दर्जनों गांव से जुड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों के जरूरतों के लिए यह प्रतिष्ठान मील का पत्थर साबित होगी। इसका सीधा लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा। प्रोपराइटर राकेश चौधरी ने कहा कि हमारे यहां महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों के सभी प्रकार के परिधान एवं फुटवियर मिलेंगे। जो काफी उचित मूल्य पर उपलब्ध होंगे। इस दौरान मुख्य रूप से भाजपा के वरिष्ठ नेता, भृगु पाल चौधरी, देवी प्रसाद चौधरी, अरविन्द प्रताप चौधरी, अभिषेक चौधरी, रामविनोद यादव, अवधेश यादव, विवेक चौधरी, शैलेश चौधरी, सत्य नारायण, अजीत सिंह, अमन चौधरी, अमर दीप प्रजापति, अर्जुन प्रजापति आदि लोग उपस्थित रहे।

नगर पंचायत में मच्छरों का प्रकोप, नगरवासी परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ में मच्छरों का प्रकोप अधिक बढ़ गया है। इसके कारण नगरवासियों का जीना मुहाल हो गया है। मच्छरों के काटने से लोगों को खुजली और जलन जैसी समस्याएं हो रही हैं। मच्छरों के प्रकोप के कारण लोगों में मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों ने एंटी लार्वा दवाओं के छिड़काव की मांग की है। इस सम्बन्ध में चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि मच्छरों की एवं एंटी लार्वा दवाओं के छिड़काव शीघ्र करवाया जायेगा।

ग्राम पंचायत फरीदाबाद में निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश
खेसरहा/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड खेसरहा के ग्राम पंचायत फरीदाबाद में निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्राम विशुनपुरवा निवासी और ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य उपेन्द्र चतुर्वेदी ने प्रशासन को इस सम्बन्ध में शिकायत दर्ज कराई है। उपेन्द्र चतुर्वेदी ने आरोप लगाया है कि पंचायत निधि से कराये जा रहे निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। साथ ही कई कार्य अधूरे छोड़ दिये गये हैं। उनके अनुसार ग्राम प्रधान, सचिव और पंचायत सदस्यों की मिलीभगत से काली मिट्टी डालकर अधूरे निर्माण को पूरा दिखाया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने इसे पंचायत निधि का स्पष्ट दुरुपयोग बताया है। उन्होंने पहले भी जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मामले की जानकारी दी थी। लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्यवाई नहीं हुई है। अब उन्होंने समाधान दिवस में शपथ पत्र सहित आवेदन प्रस्तुत कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही दोषियों पर कठोर कार्यवाई करने की मांग भी की है। इस सम्बन्ध में खेसरहा के बीडीओ अमित सिंह ने कहा है कि मामले की जांच कराई जायेगी। दोषी पाये जाने पर उचित कार्यवाई की जायेगी। प्रशासन द्वारा शीघ्र ही जांच प्रक्रिया शुरू किए जाने की सम्भावना है।

पुन: निर्मित हुआ बांसी नगरपालिका द्वारा निर्मित रूद्र योग मुद्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश
बांसी/सिद्धार्थनगर। नगर पालिका बांसी द्वारा निर्मित नगर से

सट कर बह रही अचिरावती (राप्ती) नदी के उत्तर तरफ बने रूद्र योग मुद्रा का है। 31 मई शनिवार 2025 को जिले के उच्चस्तरीय गणमान्यों के उपस्थिति में लोकार्पण के बाद 22 दिनों के अन्दर ही इस पर शनि की साढ़ेसाती नजर आने लगी थी। वहीं पर राप्ती नदी के उत्तर तट पर रूद्र योग मुद्रा जिसका नये निर्माण के कारण मिट्टी बैठने से फर्श बैठ गया था, जो दोबारा बन कर तैयार हो गया। इस बारे में स्थानीय अखबारों में छपने के बाद नपा द्वारा संज्ञान में लिया गया। लगातार कार्य जारी रखकर रूद्र योग मुद्रा के फर्श और रेलिंग को सही कराया गया।

सम्पादकीय

जिसने हाथ से निकलती सीरीज को बराबरी के स्तर पर ला खड़ा किया। वहीं गिल और सिराज के अलावा इस शृंखला में यशस्वी जायसवाल, के. एल. राहुल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह व आकाश दीप जैसे सितारे भी चमके। निस्संदेह, रवींद्र जडेजा पुराने योद्धा हैं। गिल के पास बहुत समय है और उनसे लंबी पारी और...

यशस्वी क्रिकेटरों ने इंग्लैंड में रचे इतिहास

सही मायनों में, दिग्गज क्रिकेटरों की अनुपस्थिति में युवा भारतीय क्रिकेटरों ने इंग्लैंड की धरती पर नया इतिहास रचा है। ओवल टेस्ट में उन्होंने इंग्लैंड के मुंह से जीत छीन ली। जो मैच इंग्लैंड के पाले में जाता दिख रहा था, उसे अपनी जीत में बदल दिया। लगातार रोमांचक होते मैच को जीतकर टीम ने न केवल मैच जीता बल्कि शृंखला को भी दो-दो से बराबरी पर ला खड़ा किया। युवा तुर्कों ने उन तमाम क्रिकेट पंडितों की भविष्यवाणियों को बेकार साबित किया, जो इंग्लैंड टीम द्वारा शृंखला जीतने के दावे कर रहे थे। ओवल टेस्ट के अंतिम क्षणों में मोहम्मद सिराज ने तो मैच का पासा ही पलट दिया। मैच के रोमांच ने बताया कि क्यों क्रिकेट पंडित टेस्ट क्रिकेट को असली क्रिकेट की संज्ञा देते हैं। भारत के धुरंधर क्रिकेटरों के बिना इंग्लैंड के खिलाफ उतरी इस टीम ने कई इतिहास रचे, कई रिकॉर्ड तोड़े और नये रिकॉर्ड बनाए। भारतीय क्रिकेट के पिछले 93 साल के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि किसी शृंखला में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने चार सौ से अधिक रन बनाए हों। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि भारतीय खिलाड़ियों ने ये रन तेज गति व उछाल लेती पिचों के बीच बनाये। उन्होंने पूरे दमखम के साथ तेज ब्रिटिश गेंदबाजों का मुकाबला किया। दरअसल, लीड्स व लॉर्ड्स के मैच भारतीय टीम को करीबी मुकाबले में खोने पड़े अन्यथा टीम शृंखला भी जीत सकती थी। कप्तान शुभमन गिल की इसलिए भी तारीफ करनी होगी कि उन्होंने विदेशी पिच पर कप्तानी के दबाव के बीच भरपूर व सर्वाधिक रन बनाये। कई रिकॉर्ड्स उनकी सफल कप्तानी के गवाह हैं। मोहम्मद सिराज ने निर्णायक भूमिका निभाते हुए न केवल अंतिम कीमती विकेट लिए बल्कि पूरे मैच में नौ विकेट लेने के कारण 'मैन ऑफ द मैच' भी बने। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने भी दोनों पारियों में चार-चार विकेट लेकर अपने नाम के अनुरूप प्रसिद्धि हासिल की। ओवल मैच में यशस्वी जायसवाल,आकाशदीप, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन के बल्लों से निकले रन भी इस जीत में खूब काम आए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय टीम ने यह भी साबित किया कि वह विदेशी धरती में, विषम परिस्थितियों में व नामचीन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में जीत की इबारत लिख सकती है। लगता है जूझते हुए आसन्न हार को जीत में बदलने का हुनर भी टीम ने सीख लिया। जीत के जुनून को हर समय महसूस किया गया। संयुक्त रूप से मैन ऑफ द सीरीज बने शुभमन गिल के बल्ले से खूब रन बरसे। वे इस शृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने। यदि वे बीस रन और बना पाते तो एक शृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने के सुनील गावस्कर के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। वहीं शृंखला में मोहम्मद सिराज नये सितारे बनकर उभरे और उन्होंने सिरीज में सबसे ज्यादा 23 विकेट लिए। निस्संदेह, यह रोमांचक शृंखला टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में एक बेहतरीन शृंखला रही। पांचों टेस्ट मैचों में भारतीय टीम जीत के लिये जूझती नजर आई। शुभमन गिल कहीं से नहीं लगे कि वे एक नये कप्तान हैं। वे विराट कोहली और रोहित शर्मा के शानदार विकल्प के रूप में सामने आए हैं। भले ही भारत ने छह रन से ओवल टेस्ट जीता हो मगर यह इतिहास में एक बड़ी जीत के रूप में दर्ज की जाएगी। जिसने हाथ से निकलती सीरीज को बराबरी के स्तर पर ला खड़ा किया। वहीं गिल और सिराज के अलावा इस शृंखला में यशस्वी जायसवाल, के.एल. राहुल, ऋषभ पंत,जसप्रीत बुमराह व आकाश दीप जैसे सितारे भी चमके। निस्संदेह, रवींद्र जडेजा पुराने योद्धा हैं। गिल के पास बहुत समय है और उनसे लंबी पारी और विजयी शृंखलाएं खेलने की उम्मीद की जा सकती है। निस्संदेह, उनकी प्रतिभा भारतीय टीम में जीत का जुनून भरेगी। बहरहाल, शानदार उतार-चढ़ाव भरे पांच मैचों के मुकाबलों ने दर्शाया कि धमाकेदार टी-20 क्रिकेट के दौर में टेस्ट क्रिकेट का क्यों महत्व है। ये उन क्रिकेट पंडितों के लिये जवाब है जो टेस्ट क्रिकेट को बीते दिनों की बात कहने लगे थे।

धर्म की सार्वभौमिकता सर्वव्यापी है

धर्म यदि कर्मपूर्वक किया जाए तो उसकी महत्ता सर्वव्यापी है। मनुष्य द्वारा सामाजिक उपयोगिता हेतु निष्पादित किया जाने वाला कार्य धर्म कहलाता है। गीता में श्री कृष्ण भगवान ने धर्म की महत्ता प्रतिपादित की है। धर्म क्षेत्र हो या कुरु क्षेत्र हर जगह व्यक्ति को कर्मरत धर्म करना चाहिए। धर्म व्यक्ति की सफलता का प्रतिफल है। तपस्या साधनारत होती है। मनुष्य के धर्म परक जीवन को सुचारु रूप से गतिशील बनाने के लिए चार आश्रम की कोटियां हैं। ये चार आश्रम ब्रह्मचर्य (छात्र), गृहस्थ (गृहस्थ), वानप्रस्थ (वन में चलने वाला/ वनवासी), और संन्यास (त्यागी) हैं। इसी के साथ मनुष्य जीवन के चार पुरुषार्थ भी हैं। हिन्दू धर्म में मनुष्य जीवन के चार पुरुषार्थ, धर्म, अर्थ, काम, और मोक्ष हैं। इन्हें पुरुषार्थचतुष्टय भी कहते हैं। महर्षि मनु पुरुषार्थ चतुष्टय के प्रतिपादक हैं। मनुष्य के धार्मिक जीवन में मोक्ष ही मुक्ति का मार्ग है। मोक्ष चार प्रकार का होता है: सामीप्य, सालोक्य, सायुज्य और सारूप्य से किसी भी प्रकार के मोक्ष प्राप्त होने से पुनर्जन्म नहीं होता। यदि होता है तो अवतार काल में भगवान के अवतार के साथ ही वह भी आता है और भगवान की लीला का पात्र होता है। सामीप्य, यह मुक्ति सर्वोत्तम होती है इसमें भगवान के समीप स्थान प्राप्त होता है। मोक्ष हेतु मन की शुचिता ही सर्वोत्तम विधि है। यहां चार मन की अवधारणा है। चार मन का मतलब है, चार व्यक्तियों का मन। इचार शब्द का मतलब है तीन से एक ज्यादा या दो का दोगुना। यहीं, इसमें शब्द का अर्थ अंतःकरण, चित्त, इच्छा, चाहत, या आत्मा है। दरअसल मन, मस्तिष्क की वह क्षमता है जो चिंतन, स्मरण, निर्णय, बुद्धि, भाव, इंद्रियग्राह्यता, एकाग्रता, व्यवहार, परिज्ञान (अंतर्दृष्टि) इत्यादि में सक्षम बनाती है, वह सत्कर्म कहलाती है। दरअसल धर्म मनुष्य की अन्तश्चेतना को संतुष्ट करने का माध्यम है। ईश्वर के साक्षात्कार का व्यक्तिपरक मार्ग धर्म है।

लेखक विनय कांत मिश्र/ दैनिक बुद्ध का संदेश

प्यार के खुमार में उलझे संपत्ति के अधिकार

समय तक' और 'आकस्मिक' प्रकृति का न हो। इन फैसलों ने मिलकर भारत में लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े अधिकारों, विशेषकर संपत्ति और वित्तीय सुरक्षा के पहलुओं को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निरुसंदेह, समस्याओं से निपटने के लिए लिव-इन रिलेशनशिप के स्वैच्छिक पंजीकरण और भागीदारी समझौते 'पार्टनरशिप एग्रीमेंट' को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि संपत्ति और...

लिव-इन रिलेशनशिप में रिश्तों के टूटने पर संपत्ति के बंटवारे से जुड़ी कई चुनौतियां सामने आती हैं, जैसे कि संयुक्त संपत्ति का अभाव और वित्तीय योगदान साबित करने में मुश्किल। अक्सर पार्टनर संपत्ति अलग-अलग खरीदते हैं या एक कमाता है और दूसरा घर चलाता है, जिससे यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि कौन सी संपत्ति किसकी है। भारत में लिव-इन रिलेशनशिप एक जटिल सामाजिक वास्तविकता बन गई है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद का प्रतीक तो है, लेकिन इसके कानूनी दायरे खासकर संपत्ति के अधिकारों को लेकर, अक्सर भ्रम की स्थिति बनी रहती है। पारंपरिक विवाह के इतर इस रिश्ते में रहने वाले भागीदारों के लिए संपत्ति का अधिकार अक्सर एक अंधकारमय गलियारे जैसा होता है, जहां न्याय की राह आसान नहीं, क्योंकि सामाजिक मानदंडों में बदलाव और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर बढ़ते जोर के साथ, यह व्यवस्था अब महानगरों तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों में भी इसका प्रचलन बढ़ रहा है।

हालांकि, इस बढ़ती प्रवृत्ति के साथ कई कानूनी और सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले पार्टनर्स के संपत्ति के अधिकार का मुद्दा, जो एक ऐसा क्षेत्र है जहां स्पष्ट कानूनी ढांचे की कमी के कारण अक्सर जटिल समस्याएं उत्पन्न होती हैं। लिव-इन रिलेशनशिप में रिश्तों के टूटने पर संपत्ति के बंटवारे से जुड़ी कई चुनौतियां सामने आती हैं जैसे कि संयुक्त संपत्ति का अभाव और वित्तीय योगदान साबित करने में मुश्किल। अक्सर पार्टनर संपत्ति अलग-अलग खरीदते हैं या एक कमाता है और दूसरा घर चलाता है, जिससे यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि कौन सी संपत्ति किसकी है। भावनात्मक और सामाजिक दबाव भी महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए लड़ने से रोकता है। उत्तराधिकार का मुद्दा भी एक बड़ी समस्या है क्योंकि वसीयत न होने पर लिव-इन पार्टनर का संपत्ति में अधिकार जताना असंभव हो जाता है। हमारे देश में लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर कोई स्पष्ट और व्यापक कानून मौजूद नहीं है, जिसके कारण ऐसे रिश्तों में संपत्ति के अधिकारों पर अक्सर अस्पष्टता बनी रहती है। यद्यपि सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न फैसलों में इसे विवाह जैसी प्रकृति का रिश्ता माना है खासकर घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत गुजारा भत्ता के मामलों में। फिर भी संपत्ति के बंटवारे या विरासत को लेकर कोई ठोस कानूनी दिशानिर्देश स्थापित नहीं किए गए हैं। भारतीय कानून पारंपरिक रूप से विवाह-आधारित संबंधों को मान्यता देता है, जहां पति-पत्नी के संपत्ति के अधिकार स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं। इस कानूनी अस्पष्टता का सीधा अर्थ यह है कि यदि एक लिव-इन पार्टनर की मृत्यु हो जाती है या रिश्ता टूट जाता है, तो संयुक्त रूप से अर्जित संपत्ति के बंटवारे या विरासत को लेकर विवाद उठना तय है, जिससे अक्सर महिला साथी को खमियाजा भुगतना पड़ता है। वे अपनी कमाई या रिश्ते में किए गए योगदान का कानूनी प्रमाण पेश करने में कमजोर स्थिति में होती हैं। यह कानूनी लड़ाई लंबी और महंगी साबित होती है, जिसमें न्याय मिलना मुश्किल हो जाता है। भारतीय न्यायपालिका ने विभिन्न फैसलों के माध्यम से लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले पार्टनर्स के अधिकारों, खासकर संपत्ति के संदर्भ में, को परिभाषित किया है। एस. खुशबू बनाम कन्नियाम्मल (2010) मामले ने लिव-इन रिलेशनशिप की कानूनी वैधता को स्थापित करते हुए इसे जीवन के अधिकार का हिस्सा माना। डी. वेलुसामी बनाम डी. पचईअम्माल (2010) में सर्वोच्च न्यायालय ने 'विवाह जैसे रिश्ते' की अवधारणा को उजागर किया, यह स्पष्ट करते हुए कि यदि लिव-इन पार्टनर ने किसी संपत्ति के अधिग्रहण में प्रत्यक्ष योगदान दिया है तो उस पर उनका अधिकार हो सकता है, हालांकि स्वतः विरासत का अधिकार नहीं होता। इंद्र सरमा बनाम वी.के.वी. सरमा (2013) में घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के तहत लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं को भरण-पोषण का अधिकार दिया गया, जो वित्तीय सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। धन्नूलाल और अन्य बनाम गणेशराम और अन्य (2015) ने यह स्थापित किया कि यदि एक पुरुष और महिला लंबे समय तक पति-पत्नी की तरह साथ रहते हैं तो उन्हें विवाहित माना जाएगा, जिससे महिला को लिव-इन पार्टनर की मृत्यु के बाद संपत्ति विरासत में पाने का अधिकार मिला। सबसे हालिया फैसला कट्टुकंडी इडाथिल कृष्णन तथा अन्य बनाम कट्टुकंडी इडाथिल वाल्सन और अन्य (2022) ने लिव-इन रिलेशनशिप से जन्मे बच्चों के संपत्ति अधिकारों को स्पष्ट करते हुए कहा कि ऐसे बच्चों को वैध माना जाएगा और उन्हें पैतृक संपत्ति में हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार होगा, बशर्ते संबंध 'लंबे समय तक' और 'आकस्मिक' प्रकृति का न हो। इन फैसलों ने मिलकर भारत में लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े अधिकारों, विशेषकर संपत्ति और वित्तीय सुरक्षा के पहलुओं को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पंजाब में चिंता बढ़ाते भूजल संकट के संकेत

फसल विविधीकरण को बढ़ावा दिया जाए। पंजाब में खरीफ सीजन में कभी कपास और मक्का प्रमुख फसलें होती थीं। हालांकि, इन फसलों के प्रतिकूल उत्पादन और खरीद व्यवस्था ने किसानों को धान की ओर रुख करने के लिए मजबूर किया, जिसके उत्पादन में जोखिम न केवल कम है, बल्कि न्यूनतम समर्थन मूल्य और मंडी में उठाए जाने की भी गारंटी है। नतीजतन, धान के तहत रकबा...

पंजाब में कृषि बजट बढ़ाने के बावजूद इस क्षेत्र की पीड़ाएं कम नहीं हुई। वजह, भूजल संकट लगातार बदतर होना है। हर साल जमीन से 28 मिलियन एकड़ फुट पानी निकलता है, जबकि भरपाई सिर्फ 17 मिलियन एकड़ फुट की हो पाती है। भूजल स्तर सालाना करीब आधा मीटर की खतरनाक दर से गिर रहा है। इसकी वजह ऊर्जा-पानी-खाद्य दुष्चक्र है। समाधान देर से धान रोपाई, विविधीकरण व व्यापक भूजल पुनर्भरण नीति है। पंजाब के सामने बहुत भारी भूजल संकट मुंह बाये खड़ा है, जिससे इसकी सभ्यता की सततता को ही खतरा बन चला है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब में उपयोग करने योग्य भूजल की आखिरी बूंद भी अगले 14 वर्षों में समाप्त हो जाएगी। वर्तमान राजनीतिक कार्यपालिका, योजनाकारों और नागरिक समाज का कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करें कि भूजल न केवल दुनिया के इस क्षेत्र की वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए भी कायम रहे। वैज्ञानिक डाटा से पता चलता है कि पंजाब हर साल धरती के गर्भ से 28 मिलियन एकड़ फुट पानी निकाल रहा है, जबकि वर्षा और इसकी तीन बारहमासी नदियों के माध्यम से भरपाई केवल 17 मिलियन एकड़ फुट की हो पाती है। इस असंतुलन के कारण भूजल स्तर प्रति वर्ष लगभग आधा मीटर की खतरनाक दर से और नीचे गिरता जा रहा है, जिसके चलते पंजाब रेगिस्तान बनने के करीब है। इस अत्यधिक दोहन के सबसे मुख्य कारणों में से एक है पंजाब में 'ऊर्जा-पानी-खाद्य रूपी दुष्चक्र'। चूंकि सरकार किसानों को अनाज उगाने के वास्ते पानी निकालने के लिए मुफ्त में पॉवर उपलब्ध कराती है, खासकर धान के लिए, इसलिए इससे पहले कि पंजाब बंजर और नकारा भूमि में तब्दील हो जाए,इस संकट को दूर करने को व्यावहारिक उपाय करना एक अतिरिक्त जिम्मेदारी बन जाती है। इसके अलावा, यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि न केवल भूजल बहुत तेजी से गिर रहा है, बल्कि धरती की गहरी परतों से निकाले जा रहे पानी में भारी धातुएं और नाइट्रेट की मात्रा भी खतरनाक स्तर की होती है, जो इसे मनुष्यों और जानवरों के इस्तेमाल के अनुपयुक्त बनाते हैं। इसलिए सही समय है कि सरकार स्थिति सुधारने के लिए तत्काल और जरूरी उपाय करे। वैज्ञानिक मानसून के आगमन के साथ धान की रोपाई करने की सलाह देते हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, सरकार को 20 जून से चरणबद्ध रोपाई कार्यक्रम लागू करवाना चाहिए। इसकी कई वजहें हैं जैसे किसान अब मुख्यतः कम अवधि वाली धान की किस्मों की खेती कर रहे हैं जो 90-100 दिन में पककर तैयार होती हैं, जबकि 2009 से पहले लंबी अवधि वाली किस्मों की खेती की जाती थी, जो 130-140 दिन में तैयार होती थी। वहीं पंजाब देश का पहला राज्य था, जिसने 2008 में भूजल बचाने और संरक्षित करने के उद्देश्य से धान बुआई की तिथि विनियमित करने के लिए प्रगतिशील कानून बनाया था जिसके तहत धान रोपाई की तिथि 10 जून तय की गई थी, जिसे 2014 में आगे बढ़ाकर 15 जून कर दिया गया और तबसे तिथियों में मामूली हेरफेर के साथ यह तारीख जारी है। पिछले 17 वर्षों में किसान अपनी खरीफ फसलों के उत्पादन का 'पंजाब भू-मृदा जल संरक्षण अधिनियम 2009' नामक इस कानून के मुताबिक समायोजन करके करते आए हैं। पंजाब कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, 2009 से पहले भूजल स्तर में वार्षिक गिरावट 75 सेमी. थी, जो अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के कारण बाद वाली अवधि में घटकर 40 सेमी. रह गई। रिपोर्टों के अनुसार, पंजाब के तीनों जलाशयों – भाखड़ा बांध, रणजीत सागर बांध और पोंग बांध – में जल स्तर पिछले वर्षों की तुलना में सामान्य से 52 फीसदी कम रहा। पंजाब को धान की खेती के लिए प्रमुख तौर पर इन जलाशयों से लगभग 14.50 एमएएफ पानी मिलता है। इस बार गर्मी के मौसम में सिंचाई के लिए नहरी पानी कम उपलब्ध होने के अनुमान थे, ऐसे में धान की फसल के लिए भूजल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। एक किलो धान पैदा करने के लिए लगभग 4000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है, इसलिए किसान नहरी पानी की आपूर्ति में कमी को भूजल निकालकर पूरा करता है। सामान्य से अधिक तापमान और लू लंबी चलने का पूर्वानुमान हो, तो जून या उससे पहले रोपे गए धान को गर्मी के प्रभाव से बचाने के लिए बहुत अधिक पानी की आवश्यकता होती है। अतएव धान की रोपाई को जून के आखिरी सप्ताह (मानसून के आगमन के करीब तक) टालना बेहतर है। जून के अंत में रोपा गया धान अक्तूबर की शुरुआत में पक जाता है, इस समय कटाई के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती हैं। जबकि अगेती रोपाई करने से सितंबर के महीने में, मानसून के अंतिम चरण में, कटाई करनी पड़ती है, जिससे धान के दाने बारिश, तेज हवाओं और उच्च आर्द्रता के संपर्क में आते हैं। परिणामस्वरूप किसानों को नमी युक्त धान बेचने संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वैसे भी केंद्र सरकार ने धान खरीद का संचालन एक अक्तूबर से ही अनिवार्य कर दिया है। दरअसल, पूसा 44 किस्म और इसकी विभिन्न वैरायटी (पीली पूसा और डोगर पूसा) न केवल अपनी लंबी अवधि के कारण पानी की अधिक खपत करती हैं, बल्कि भारी मात्रा में पराली पैदा करने के कारण प्रदूषण भी बढ़ाने वाली हैं। पंजाब सरकार को किसानों को पहले से सलाह देकर और राज्य खरीद एजेंसियों को उपरोक्त किस्म के अनाज की खरीद न करने का निर्देश देकर इसकी खेती पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

भारत पर भारी टैरिफ ठोकने चले थे ट्रंप, अब पुतिन के एक्शन से हिल जाएगी पूरे अमेरिका की जमीन

एक बार फिर से डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत को भारी भरकम टैरिफ ठोकने की धमकी दी गई है। इस बार कह दिया गया कि रूस से तेल व्यापार भारत ने बंद नहीं किया तो डोनाल्ड ट्रंप बड़ा कदम उठाएंगे। न सिर्फ भारी भरकम टैरिफ भारत पर ठोका जाएगा बल्कि कई प्रतिबंध लगाने के बारे में भी विचार किया जाएगा। इस धमकी का भारत की तरफ से भी मुंहतोड़ जवाब दिया गया और कहा गया कि भारत भी अब कड़े कदम उठा सकता है। वो इन धमकियों से डरने वाला नहीं है। भारत सरकार ने जवाब तो दिया लेकिन इसी बीच भारत का पक्का दोस्त ढाल बनकर उतर आया है। रूस की तरफ से एक ट्रंप की जमीन हिलाने वाला कदम उठा दिया गया है। रूस की तरफ से ऐसी मिसाइल जिस पर प्रतिबंध लगा हुआ था, उसे हटाया गया। ये सीधे सीधे यूरोप की ओर इशारा करता रहा है। ये डोनाल्ड ट्रंप से सीधे सीधे युद्ध की चेतावनी की ओर इशारा कर रहा है। कयास ये लगाए जाने लगे हैं कि क्या रूस और अमेरिका के बीच सीधी जंग शुरू हो जाएगी?

भारत और चीन पर टैरिफ बम फोड़ने और रूस से दोस्ती तोड़ने के अमेरिका के दबाव के बाद रूस ने बड़ा ऐलान किया। रूस ने इंटरमीडिएट और शॉर्टर-रेंज मिसाइलों की तैनाती पर लगाई गई रोक को हटाने का ऐलान कर दिया है। यह फैसला अमेरिका द्वारा अपने दो न्यूक्लियर सबमरीन्स को रूसी तटों के पास तैनात करने के आदेश के बाद लिया गया। दरअसल, अमेरिका ने रूस के पास अपने परमाणु पनडुब्बियों को तैनात कर दिया था। अमेरिका और रूस के फैसले से दोनों देशों में तनाव और बढ़ गया है। ऐसे में अब रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा अब रूस खुद पर लगाई गई उन मोराटोरियम से बंधा नहीं महसूस करता जो इंटरमीडिएट और शॉर्टर-रेंज मिसाइलों की तैनाती को लेकर थीं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब रूस ने पहले ही संकेत दे दिए थे कि वह इस मोराटोरियम को खत्म कर सकता है। अब इस बड़े फैसले से अमेरिका में हड़कंप मच गया है। पुतिन ने संकेत दिया था कि 2026 की दूसरी छमाही में रूस अपनी ओरेशनिक इंटरमीडिएट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल बेलारूस में तैनात कर सकता। ये सीधा सीधा यूरोप के लिए खतरे की घंटी है। रूस के फैसले से उसे खासतौर से लैंड-बेस्ड शॉर्ट रेंज मिसाइल तैनात करने की छूट मिल गई है, जो यूरोप और एशिया को निशाना बना सकती है।

आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह भारत की ओर से अमेरिका को दिए जाने वाले टैरिफ में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे। उन्होंने भारत द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद और वैश्विक बाजार में लाभ पर इसे कथित रूप से फिर से बेचने का हवाला दिया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ट्रंप ने भारत पर यूक्रेन में चल रहे युद्ध की अनदेखी करते हुए रूसी कच्चे तेल की कीमतों में भारी छूट से बढ़ा मुनाफा कमाने का आरोप लगाया। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा भारत की आलोचना पर कड़ा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद रूस से तेल आयात करने के कारण अमेरिका और यूरोपीय संघ ने भारत को निशाना बनाया है। यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद पारंपरिक आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई जिस कारण भारत ने रूस से तेल आयात करना शुरू किया।

टेस्ट क्रिकेट में वर्कलोड जैसे बहाने... सुनील गावस्कर ने हेड कोच गौतम गंभीर को लगाई फटकार

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी भारत और इंग्लैंड के बीच 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई। भारतीय टीम ने ओवल में खेले गए आखिरी टेस्ट मैच को 6 रनों से अपने नाम किया। वहीं इस मुकाबले को जीतने में सिराज ने अहम भूमिका निभाई। जिसके बाद मोहम्मद सिराज की चारों तरफ वाहवाही हो रही है। इसी कड़ी में पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने सिराज की जमकर तारीफ की। साथ ही उन्होंने कोच गंभीर को जमकर फटकार भी लगाई।

दरअसल, टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में हर एक मैच खेला और कुल 23 विकेट अपने नाम किए। जो इस सीरीज में किसी भी गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा थे। उन्होंने 185.3 ओवर गेंदबाजी की, जो भारत और इंग्लैंड दोनों टीमों में सबसे ज्यादा रहा।

ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में सिराज ने 5 विकेट टके और कुल 9 विकेट लेकर भारत को 6 रन से जीत दिलाई। उनके इस प्रदर्शन ने सुनील गावस्कर को भी प्रभावित किया। हालांकि, इस दौरान उन्होंने गौतम गंभीर को भी जमकर लताड़ लगाई है।

गावस्कर ने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा कि, सिराज ने दिखा दिया कि वर्कलोड जैसी बातें सिर्फ मानसिक स्तर की होती हैं। असल में अगर आप देश के लिए खेल रहे हैं तो दर्द या थकान जैसी चीजें मायने नहीं रखती। वो लगातार 5 टेस्ट खेले, 6-7 ओवर के स्पेल फेंके, क्योंकि कप्तान को जरूरत थी और देश को उनसे उम्मीद थी। ये है असली समर्पण।

गावस्कर ने इशारों-इशारों में कोच गंभीर को याद दिलाया कि भारतीय सैनिक भी सरहद पर बिना शिकायत के खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि, क्या आपने कभी बॉर्डर पर जवान को ठंड या दर्द की शिकायत करते सुना है? वो असली जान देने के लिए खड़े रहते हैं। वैसे ही जब आप भारत के लिए खेल रहे हैं तो चोटें और थकावट छोटी बात है। ये गर्व की बात है कि आप 140 करोड़ लोगों में से देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हालांकि, गावस्कर ने ये भी साफ किया कि उनका ये बयान जसप्रीत बुमराह के लिए नहीं था। बुमराह को इंग्लैंड दौरे पर दो मैचों से आराम दिया गया था, लेकिन वह किसी वर्कलोड रोटेशन के कारण नहीं बल्कि पुरानी चोट से उबरने के कारण से था।

नोवाक जोकोविच ने छोड़ा सिनसिनाटी ओपन, US Open पर करना चाहतें हैं फोकस

24 ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता और दुनिया के छठे नंबर के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल, 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने गैर-चिकित्सीय कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट में न खेलने का फैसला किया है। इससे पहले उन्होंने पीठ की तकलीफ के कारण कैनेडियन मास्टर्स से भी अपना नाम वापस ले लिया था। ये लगातार दूसरा मौका है जब जोकोविच एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट से हटे हैं। उनके नाम इस स्तर पर 45-12 का प्रभावशाली जीत-हार रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 2023 के फाइनल में कार्लोस अल्काराज को हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी सबसे यादगार जीत दर्ज की थी। यह मुकाबला तीन सेटों में खेला गया था। इस सीजन में नोवाक जोकोविच का प्रदर्शन 26 जीत और 9 हार का रहा है। उन्होंने मई 2025 में जिनेवा में अपना 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। उस जीत के बाद से वह केवल दो टूर्नामेंट खेले हैं फ्रेंच ओपन और विंबलडन, जहां दोनों बार उन्हें जैनिक सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी। अब उनके सामने यूएस ओपन 2025 है, जो 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। वहां उनका लक्ष्य होगा अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर महिला और पुरुष सिंगल्स दोनों को मिलाकर सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी करना। वह महिला वर्ग की दिग्गज मार्गरेट कोर्ट के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं।

अमेरिका की टैरिफ धमकियों के बावजूद रूस से तेल व्यापार जारी रखेगा भारत

हाल के महीनों में, तेल व्यापार से जुड़ी भू-राजनीतिक स्थिति विशेष रूप से उतार-चढ़ाव भरी रही है, खासकर भारत के रूस से तेल आयात जारी रखने को लेकर, जब कि अमेरिका द्वारा शुल्क लगाने की धमकी स्पष्ट रूप से सामने आ रही है। जैसे-जैसे दुनिया जटिल प्रतिबंध व्यवस्थाओं और आर्थिक दबावों से जूझ रही है, भारत की कूटनीतिक और आर्थिक रणनीतियों पर गहरे विचार की आवश्यकता है।

भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है, ने ऐतिहासिक रूप से अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था को संचालित करने के लिए कच्चे तेल की विविध आपूर्ति पर निर्भरता रखी है। हालांकि, यूक्रेन में जारी संघर्ष ने तेल व्यापार की गतिशीलता में महत्वपूर्ण बदलाव किया है, जिसमें पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं और अपने सहयोगियों से रूस के ऊर्जा संसाधनों पर निर्भरता कम करने का आग्रह किया है। इन दबावों के बावजूद, भारत वैश्विक तेल बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभरा है, जो रूस से अपने तेल की खरीदारी जारी रखता है, जो प्रतिस्पर्धी कीमतों और अनुकूल शर्तों की पेशकश करता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका, इन घटनाओं को चिंतित होकर देख रहा है, भारत को रूस से तेल आयात पर शुल्क लगाने की चेतावनी दे चुका है। यह शुल्क अमेरिकी रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उन देशों को व्यापार से हतोत्साहित करना है, जो रूस के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों की प्रभावशीलता को कमजोर कर सकते हैं। हालांकि, भारत की प्रतिक्रिया रणनीतिक और गणनात्मक रही है।

भारत द्वारा रूस के साथ व्यापार जारी रखने का एक कारण इसके राष्ट्रीय हितों में निहित है। एक विकासशील देश के रूप में, जिसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए स्थिर और सस्ते ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता है, भारत के लिए पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों ने रूस से तेल खरीदने का एक अनूठा अवसर पैदा किया है, जिससे उसकी ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि हो रही है, बिना अधिक लागत उठाए।

इसके अलावा, भारत और रूस के बीच का संबंध ऐतिहासिक रूप से रक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में गहरा है। दोनों देशों ने लंबे समय तक जटिल भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में एक साथ काम किया है, और वर्तमान स्थिति भी इससे अलग नहीं है। भारत का रूस से तेल आयात बनाए रखने का निर्णय उसकी संप्रभुता का एक प्रतीक और एक स्वतंत्र विदेश नीति की स्थिति के रूप में देखा जा सकता है, जो बाहरी दबावों के मुकाबले अपने आर्थिक लाभ को प्राथमिकता देती है।

अंततः, भारत की अमेरिकी शुल्क धमकी के प्रति प्रतिक्रिया विभिन्न देशों के बीच एक व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाती है, जो पश्चिमी शक्तियों द्वारा लगाए गए एकतरफा प्रतिबंधों का पालन करने के लिए तैयार नहीं हैं। जैसे-जैसे देश अपने ऊर्जा स्रोतों को विविधीकृत करने और पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं, रूस के साथ व्यापार अपना उनके ऊर्जा रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

जहां तक अमेरिका रूस के खिलाफ एकजुट मोर्चे की वकालत करता है, वहीं भारत की अपनी आर्थिक स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता सर्वोपरि बनी हुई है। रूस से तेल व्यापार वर्तमान में वैश्विक व्यापार संबंधों की जटिलताओं और बहु-ध्रुवीय दुनिया में प्रतिबंध लगाने की चुनौतियों को उजागर करता है। जैसे-जैसे यह स्थिति विकसित हो रही है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इन गतिशीलताओं का अंतरराष्ट्रीय रिश्तों और ऊर्जा बाजारों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

भारत का रूस से तेल व्यापार जारी रखने का रुख और अमेरिका की शुल्क धमकियों के बावजूद उसके राष्ट्रीय हितों और रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता वैश्विक ऊर्जा राजनीति में महत्वपूर्ण बिंदु बनी हुई है। जैसे-जैसे भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य बदल रहे हैं, भारत के तेल व्यापार की प्रथाएँ वैश्विक ऊर्जा राजनीति में चर्चा का मुख्य विषय बनी रहेंगी।

हमारी क्रिकेट हवा में चल रही है... पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने अपनी ही टीम को लताड़ा

एशिया कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम

को लेकर उसके ही दिग्गज सवाल उठाने लगे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने टीम को लेकर सवाल खड़े किए हैं। लतीफ ने एशिया कप से पहले भारत के खिलाफ पाकिस्तान की संभावनाओं को लेकर चिंता जताई। उन्होंने खराब प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि टीम की रणनीति में सुधार की जरूरत है। दरअसल, राशिद लतीफ का ये बयान हाल ही में पाकिस्तान टीम के प्रदर्शन को देखने के बाद आया, जहां टीम बांग्लादेश और वेस्टइंडीज जैसे टीमों से मैच हार चुकी है। इस पर उन्होंने कहा कि इन मुकाबलों में पाकिस्तान को जीत दर्ज करनी चाहिए थी, लेकिन टीम की रणनीति और फोकस कमजोर नजर आया। लतीफ ने कहा कि 14 सितंबर को पाकिस्तान के लिए भारत की मजबूत टीम के खिलाफ खेलना मुश्किल होगा। एशिया कप हो जाए बस। बता दें कि पहलगाम पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है। इस कारण से भारत पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैदान पर भी मैच नहीं खेलना चाहता है। हाल ही में वर्ल्ड लीजेंड्स ऑफ क्रिकेट के सेमीफाइनल मैच जो भारत को पाकिस्तान के खिलाफ खेलना था। उसे बहिष्कार कर दिया था। ऐसे में 14 सितंबर को खेले जाने वाले भारत-पाक मैच पर भी संकट मंडरा रहा है। वहीं राशिद लतीफ ने न्यूज एजेंसी एएनआईएस से बात करते हुए कहा कि हमारी क्रिकेट इस समय हवा में चल रही है, कोई ठोक दिशा नहीं दिखा रही। हमारा कप्तान अच्छा होगा, लेकिन तीनों फॉर्मेट को संभालना आसान नहीं होता लेकिन हम सही फैसला तक नहीं ले रहे हैं। ऐसा मैंने गौर किया।

राष्ट्रमंडल खेल टीम करेगी अहमदाबाद का दौरा, 2030 की मेजबानी करना है मकसद

राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेल अधिकारियों का एक दल मंगलवार से तीन दिन के लिए

अहमदाबाद का दौरा करेगा। जहां वह गुजरात सरकार के अधिकारियों से मुलाकात करेगा क्योंकि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की संभावनाएं बढ़ रही हैं। ये दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिला है तो अहमदाबाद प्रस्तावित मेजबान शहर है। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि, हां राष्ट्रमंडल खेल की एक टीम नयी दिल्ली में है और पांच से सात अगस्त तक अहमदाबाद का दौरा करेगी। मेहमान दल ने यहां भारतीय ओलंपिक संघ के अधिकारियों से मुलाकात की। अधिकारी ने कहा कि, राष्ट्रमंडल खेल का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल इस महीने के आखिर में दौरा करेगा। पिछले महीने कनाडा के बोली की दौड़ से हटने के बाद भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

ट्रंप ने फिर भारत पर ज्यादा टैरिफ की दी धमकी, ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ीं

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के बदलते परिप्रेक्ष्य में, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हालिया बयान, जिसमें उन्होंने रूस से क्रूड तेल आयात करने के कारण भारत पर उच्च शुल्क लगाने की धमकी दी है, भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर रहा है। जैसे-जैसे वैश्विक गतिशीलताएँ बदल रही हैं, ऐसे शुल्कों के प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आवश्यकताओं पर दूरगामी असर डाल सकते हैं।

शुल्क धमकी को समझना

ट्रंप का यह बयान रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के संदर्भ में आया है। भारत, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सक्रिय रूप से रूस से क्रूड तेल खरीद रहा है, को निशाना बनाकर, ट्रंप वैश्विक ऊर्जा बाजारों को प्रभावित करने और देशों को अमेरिकी विदेश नीति के उद्देश्यों के साथ जोड़ने के लिए व्यापार नीति का उपयोग कर रहे हैं।

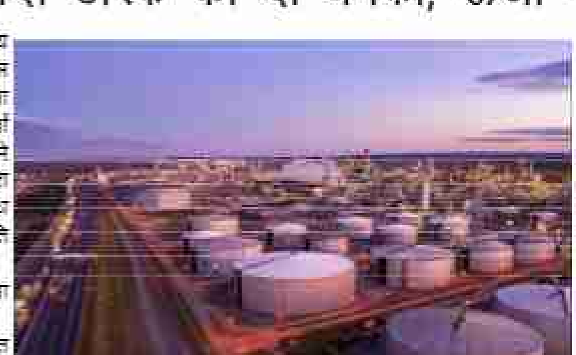

भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर प्रभाव

भारत का तेल आयात पर निर्भरता काफी बड़ी है, जिसमें एक महत्वपूर्ण हिस्सा रूस से आता है। प्रस्तावित शुल्क भारत के रिफाइनरियों के लिए लागत बढ़ा सकते हैं, जिससे उन्हें कच्चे तेल के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करनी पड़ सकती है, जो संभवत अधिक कीमतों पर होंगे। यह परिदृश्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरे का कारण बन सकता है, क्योंकि देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक रिश्तों के साथ संतुलित करने की कोशिश कर रहा है।

आर्थिक परिणाम उच्च शुल्कों के कारण भारत में उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ सकता है।

ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण इस प्रभाव को कम करने के लिए भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण की दिशा में तेजी से कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है, जिसमें अन्य तेल उत्पादक देशों के साथ साझेदारी करना या नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश करना शामिल हो सकता है।

भू-राजनीतिक परिणाम भारत के लिए अमेरिका और रूस दोनों के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं, जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और कूटनीति में इसकी रणनीतिक स्थिति प्रभावित हो सकती है।

जैसे-जैसे ट्रंप की शुल्क धमकियाँ सामने आ रही हैं, भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां उसे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की जटिलताओं को समझते हुए अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है। इन व्यापार वार्ताओं का परिणाम न केवल भारत के ऊर्जा परिदृश्य को आकार देगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में भारत की भूमिका को भी पुनः परिभाषित कर सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की गतिशीलताएँ निरंतर बदल रही हैं। भारत के लिए इन परिवर्तनों के साथ अनुकूलन करते हुए अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की रक्षा करना आने वाले महीनों में महत्वपूर्ण होगा। इन शुल्कों के आसपास हो रहे घटनाक्रमों पर नजर रखना विश्लेषकों और नीति निर्माताओं के लिए जरूरी होगा।

अपमिश्रित खाद्य पदार्थों पर अंकुश के लिए जिले में संचालित हुआ अभियान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ.प्र. लखनऊ के निर्देश के क्रम में आगामी रक्षाबन्धन त्यौहार पर्वपर

मिलावटी खाद्य पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, बहराइच द्वारा चलाये जा रहे अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा कैसरगंज में फुरकान अहमद के प्रतिष्ठान से छुआरा मिठाई, हसीब मिष्ठान भण्डार से खोया, सफीक के प्रतिष्ठान से कुन्दा (खोया, चीनी का मिश्रण), पेड़ा एवं सलमान मिष्ठान से बर्फी व पेड़ा के नमूने संग्रहीत किये गये। जेल रोड बहराइच स्थित मधुर मिष्ठान भण्डार से पनीर, खोया एवं दुग्ध का नमूना संग्रहित किया गया। दूसरी टीम ने लखनऊ–नानपारा हाइवे स्थित सिसिया मोड़ से दीपू स्वीट्स शॉप से छेना, तिवारी स्वीट शॉप से पेड़ा एवं दूध बर्फी, सलीम स्वीट से मंसूर मिठाई, समसुलहक के यहां से पेड़ा का नमूना संग्रहित किया गया। शंकरपुर चौराहा, जिला बहराइच में स्थित पहलवान घी स्टोर से खोया, पनीर, घी, क्रीम का नमूना संग्रहित कर जांच हेतु खाद्य विश्लेषक को प्रेषित किये जा रहे है। इस प्रकार रक्षा बन्धन त्यौहार में अभी तक कुल–18 नमूने संग्रहित किये गये। उपरोक्त खाद्य कारोबारकर्ताओं को साफ–सफाई रखने के निर्देश दिये गये है तथा जागरूकता हेतु स्टीकर चस्पा कराया गया। रक्षा बन्धन त्यौहार को ध्यान में रखते हुए विशेष अभियान जनपद की समस्त तहसीलों एवं बाजारों में चलाया जा रहा है, जो आगे भी चलाया जाता रहेगा। सचल खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से सलारगंज बहराइच में मौके पर ही 30 नमूनों की जांच की गयी। टीम में डॉ. अमर सिंह वर्मा, सहायक आयुक्त (खाद्य)–II, अरुण कुमार शुक्ल, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. विवेक कुमार वर्मा, मुकेश कुमार श्रीवास्तव, श्रीमती प्रीती वर्मा, आदित्य वर्मा, अजय कुमार सिंह, .पा शंकर द्वारा उपरोक्त कार्यवाही सम्पादित की गयी।

18 घंटे गुल रही 250 गांवों की बिजली...रात अंधेरे में गुजरी

देवरिया। बारिश होते ही बिजली निगम की पोल खुल गई। रात करीब 11 बजे गुल हुई बिजली शाम पांच बजे बाद आई। 18 घंटे बाद बिजली मिली भी तो इसके बाद बार–बार ट्रिपिंग का खेल जारी रहा। पूरी रात क्षेत्र के 250 गांवों में अंधेरा छाया रहा। दिनभर भी करीब आपूर्ति गुल रही। निगम के जिम्मेदार बता रहे है कि एगड़ंगा, रजवल, बैरौना, गड़ेर, चतुरी, नुनखार और सिसई में 11 हजार वोल्टेज तार में फॉल्ट आने से यह दिक्कत आई है। जानकारी के अनुसार, खुखुंदू उपकेंद्र से बैटौली, नुनखार, सोनबरसा और गड़ेर फीडरों के माध्यम से क्षेत्र के 250 गांवों में बिजली आपूर्ति की जाती है। बारिश के चलते बैटौली फीडर में बैटौली, सिसवा, एकडंगा, रजवल, गड़ेर फीडर में बैरौना, गड़ेर, हाटा, रोहुआर, सोनबरसा फीडर में चतुरी, मरहवा, पिपरा खेमकरण, छोटी रार, बड़ी रार, तेनुआ, मझवलिया, नुनखार फीडर में नुनखार और सिसई में एचटी तार में रात करीब 11 बजे फॉल्ट उत्पन्न होने से पूरे क्षेत्र की बिजली गुल हो गई।

निगम के कर्मचारियों ने फॉल्ट ठीक करने में 15 घंटे लगा दिए। इसके चलते बिजली के लिए क्षेत्र में हाहाकार मचा रहा। जेई सोनू कुमार का कहना है बारिश के चलते जगह–जगह फॉल्ट उत्पन्न हो गया। फॉल्ट दुरुस्त कर आपूर्ति बहाल करा दी गई है। बरहज संवाद के अनुसार, नगर स्थित अटल तिराहे पर चौथे दिन भी व्यापारी और उपभोक्ता विद्युत निगम के खिलाफ क्रमिक अनशन पर रहे। क्षेत्रीय विधायक दीपक मिश्र शाका और एसडीओ के आश्वासन पर देर शाम को अनशन समाप्त हुआ। पूर्व पालिकाध्यक्ष अजीत जायसवाल नेतृत्व में व्यापारी और उपभोक्ता चौथे दिन भी क्रमिक अनशन पर रहे। शाम को क्षेत्रीय विधायक दीपक मिश्र शाका, एसडीओ आलोक सिंह यादव और जेई के साथ पहुंच गए। अनशनकारियों ने विद्युत निगम के जेई के फोन नहीं उठाने, ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि कराने, जर्जर तारों को बदलने, स्मार्ट मीटर लगाने में बरती जा रही अनियमितता दूर करने सहित अन्य समस्याओं से अवगत कराया।

ससुराल से लापता युवक का झाड़ियों में मिला शव

देवरिया। महुआडीह थाना क्षेत्र के मुड़ीयाकट्ठ गांव में सुबह एक युवक का शव झाड़ियों में पड़ा मिला। इससे सनसनी फैल गई। शव की पहचान असारी झांगा गांव निवासी 36 वर्षीय रामसनेही प्रजापति के रूप में हुई। यह अधिकतर ससुराल मुड़ीयाकट्ठ में रहता था। शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को निकलवाया। पुलिस के अनुसार, शव चार दिन पुराना हो सकता है। उसका एक हाथ जानवर नोंच ले गए थे। शरीर पर चोट के स्पष्ट निशान नहीं हैं। इससे मौत की वजह फिलहाल रहस्य बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, रामसनेही प्रजापति एक अगस्त को ससुराल आया था, उसी शाम से अचानक लापता हो गया था। ससुराल वालों ने खोजबीन की, मगर वह नहीं मिला। सुबह गांव से करीब 50 मीटर दूर झाड़ियों में एक शव दिखाई दिया। इससे गांव में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलने पर एएसपी उत्तरी अरविंद कुमार वर्मा और प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार राय टीम के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन की। पुलिस का कहना है कि युवक नशे का आदी था। करीब दो साल पहले नाराज होकर उसने बाइक भी जला दी थी। रामसनेही की पत्नी रंभा देवी, दोनों बेटियां और परिजन शव देख बेसुध हो गए। ससुराल और मायके पक्ष दोनों में शोक की लहर है। ग्रामीणों के अनुसार, रामसनेही अधिकतर ससुराल में ही रहता था। परिवार में पहले भी कुछ विवाद की बातें सामने आई थीं। महुआडीह थानाध्यक्ष अमित कुमार राय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत का कारण स्पष्ट होगा।

एक ही रात में दो स्थानों पर हुई चोरी पुलिस कर रही है जांच

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। एक ही रात में थाना कोतवाली क्षेत्र उतरौला के

दो स्थान पर चोरी हो गई। लोगों ने इसकी शिकायती सूचना चौकी व थाने पर दी। सोमवार रात चौर मोहल्ला गांधीनगर निरीक्षण भवन के निकट श्री शनिदेव मंदिर से तांबा का बड़ा व छोटा कलश, दो पीतल की आरतीदानी जंजीर तोड़कर चुरा ले गए। सुबह जब लोग पूजा करने मंदिर पहुंचे तब इसकी जानकारी हुई। वही दूसरा मामला मोहल्ला आर्य नगर का है। लोनियनडीह में खड़ा मुकेश चौहान का ठेलिया भी एक अज्ञात व्यक्ति लेकर चला गया। घटना मोहल्ले के एक घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसकी वीडियो फुटेज और फोटो मुकेश चौहान ने थाने पर उपलब्ध करा दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सीसीटीवी के वीडियो के जरिए चोर को तलाश रही है।

अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र–छात्राओं की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति हेतु संशोधित समयसारिणी जारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मो. खालिद ने बताया कि अल्पसंख्यक वर्ग के पूर्वदशम कक्षा 9–10 एवं दशमोत्तर कक्षा 11–12 में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को शैक्षिक सत्र 2025–26 में छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति के भुगतान हेतु संशोधित समय–सारिणी निर्गत कर दी गई है। समय–सारिणी के अनुसार शिक्षण संस्थाओं को 31 अगस्त 2025 तक संस्था स्तर से अग्रसारित आवेदनों को प्रथम चरण में सम्मिलित किया जाना है। प्रथम चरण में 02 अक्टूबर 2025 को कक्षा 09–12 तक के पात्र छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति का वितरण किया जाना है। संशोधित समय सारिणी के अनुसार मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने के लिये आनलाईन आवेदन करने की कार्यवाही, जिला विद्यालय निरीक्षक के समक्ष प्रपत्र प्रस्तुत करना, तदोपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी से पासवर्ड प्राप्त करना (नवीन संस्थायें) एवं मास्टर डाटा में सम्पूर्ण सूचनायें भरकर/अपलोड करके प्रमाणित करने हेतु 05 अक्टूबर 2025 तक समयावधि निर्धारित है। जबकि डीआईओएस द्वारा अधीनस्थ समस्त विद्यालयों की मान्यता, सी.ट सीटों की संख्या एवं प्रोफाइल को ऑनलाइन डिजिटल हस्ताक्षर से सत्यापित करने का कार्य 15 अक्टूबर 2025 तक किया जायेगा। इसी प्रकार मास्टर डाटा में सम्मिलित व एनएसपी पोर्टल पर पंजी.त निजी क्षेत्र के विद्यालयों की जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल पर मार्किंग की कार्यवाही 14 दिसम्बर 2025 तक पूर्ण की जायेगी। पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्र/छात्राओं हेतु ऑनलाइन आवेदन व अन्य प्रक्रिया हेतु छात्रों द्वारा रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन आवेदन की कार्यवाही 30 अक्टूबर 2025 तक, छात्र/छात्राओं द्वारा ऑन लाइन आवेदन पत्र की हार्डकापी समस्त वांछित संलग्नकों सहित विद्यालय में जमा करने की कार्यवाही 04 नवम्बर 2025 तक, प्रथम चरण में विद्यालय द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करने की कार्यवाही 31 अगस्त 2025 तक, डीआईओएस द्वारा कक्षा 9–12 तक वर्गवार वास्तविक छात्र संख्या आदि की प्रमाणिकता को ऑनलाइन सत्यापित करने का कार्य 09 सितम्बर 2025 तक पूर्ण की जायेगी इसी प्रकार द्वितीय चरण में विद्यालय द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करने की कार्यवाही 06 नवम्बर 2025 तक, द्वितीय चरण में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा वर्गवार वास्तविक छात्र संख्या आदि की प्रमाणिकता को ऑनलाइन सत्यापित करने की कार्यवाही 15 नवम्बर 2025 तक पूर्ण की जायेगी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने समस्त इण्टर कालेज/हाईस्कूल के प्रधानाचार्यों/प्रधानाचार्या से अपेक्षा की है कि 31 अगस्त 2025 तक समस्त पात्र आवेदनों को अग्रसारित किया जाए, जिससे 02 अक्टूबर 2025 को प्रथम चरण में छात्रवृत्ति वितरण समारोह में अल्पसंख्यक वर्ग के अधिक से अधिक छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति का वितरण किया जा सके।

वन ट्रिलियन डालर अर्थ व्यवस्था में सहायक होंगे कृषि उत्पाद : जिला उद्यान अधिकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वन ट्रिलियन डालर के स्तर तक पहुँचने के लक्ष्य के अन्तर्गत 04 से 08 अगस्त 2025 तक पर ब्लाक वन ट्रांफार सप्ताह अन्तर्गत .षि विज्ञान केन्द्र, बहराइच में आयोजित संगोष्ठी उद्यान विभाग में संचालित योजनाओं तथा केला, शाकभाजी, फल, फूल, मसाला व अन्य औद्यानिक फसलों की खेती तथा .षकों/बुद्धजीवियों की अभिरूचि के अनुसार उत्पादन, संवर्द्धन एवं विपणन इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। .षकों की आय दुगना करने के उद्देश्य से उत्पाद को प्रसंस्त करने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, जनपद व प्रदेश के बाहर .षि व्यापार प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए जिला उद्यान अधिकारी ने कहा कि संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य अर्थ व्यवस्था को वन ट्रिलियन डालर स्तर तक पहुँचाने हेतु .षि उत्पाद एवं उत्पादकता को बढ़ावा देना है। उद्यान विभाग में संचालित एकी.त बागवानी विकास मिशन की जानकारी देते हुए श्री चौधरी ने कहा इच्छुक .षक आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी, पासपोर्ट साइज फोटो एवं मोबाइल नम्बर की सहायता से उद्यान विभाग के पोर्टल डीबीटी डाट हर्टिकल्चर डाट इन पर स्वयं अथवा जनसेवा केन्द्र या उनके कार्यालय के सहयोग से पंजीकरण करा सकते हैं। .षकों का चयन "प्रथम आवक–प्रथम पावक" वरीयता के आधार पर किया जायेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ उद्यान निरीक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी, उद्यान निरीक्षक पंकज वर्मा सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी तथा 50 से अधिक .षक उपस्थित रहे।

जल निगम की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं नगरवासी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जल निगम के अधिकारियों व ठेकेदार की लापरवाही का खामियाजा बलरामपुर नगरवासियों और राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। नगर के पीपल तिराहा के पास हर घर जल योजना के तहत पानी की पाइप डालने के लिए जल निगम द्वारा

पक्की सड़कों को खोदा गया था लेकिन सड़क की मरम्मत अब तक नहीं कराई गयी। नतीजन बारिश के मौसम में यह सड़क दल–दल में तब्दील हो गई है। गड्ढों वाली सड़क पर गाड़ियां फंसने से अक्सर दुर्घटनाएं हो रही हैं। यह रास्ता सिविल लाइन, बड़ा परेड, सिंचाई विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग की तरफ जाता है, इसी रास्ते से स्कूली बच्चे, कर्मचारी व राहगीर आते जाते हैं। बारिश के मौसम में यह रास्ता गड्ढों और कीचड़ में पूरी तरह तब्दील हो गया है। राहगीरों का चलन दूभर हो गया है। लोग चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय निवासी विजय कुमार ने बताया कि जल निगम द्वारा पाइप लाइन बिछाने के लिए मुख्य सड़क से लेकर गलियों, सड़कों को तोड़ दिया गया। महीनों हो गए सड़क की स्थिति दयनीय है। आने–जाने वाले लोग गिरकर चोटिल हो रहे है। शिकायत के बाद भी ठीक नहीं कराया गया। लोगों को आने–जाने में भारी दिक्कतें हो रही हैं। स्थानीय निवासी हेमु ने बताया कि सड़क खराब होने से स्कूल, कोचिंग जाने वाले बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। कीचड़ में फिसलने का डर हमेशा बना रहता है। कई बुजुर्ग और महिलाएं भी गिर चुकी हैं। इसी रास्ते से बाइक, कार, ई रिक्शा, सरकारी बस, स्कूली वैन तथा दैनिक वस्तुओं की खरीददारी करने वाले राहगीर आते जाते हैं। सुधीर ने बताया कि काफी दिनों से यह सड़क खराब है बरसात होने के कारण आए दिन सड़क पर गंदगी एवं कीचड़ भरा रहता है कई बार रिक्शा व बाइक गड्ढे में धंस गया है अगर जल्द सड़क मरम्मत नहीं कराया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

सेवानिवृत सम्मान समारोह में सम्मानित किए गए अरुणेंद्र

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर/बहराइच। बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय कोल्हुआ में अनुचर के पद पर कार्यरत अरुणेंद्र कुमार द्विवेदी के 21 वर्ष सेवा करने के बाद 31 जुलाई 2025 को सेवानिवृत हो गए। ब्लाक संसाधन केंद्र पयागपुर के सभागार में सेवानिवृत अरुणेंद्र कुमार द्विवेदी के सम्मान समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश कुमार तिवारी तथा मुख्य अतिथि जिला मंत्री राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजेश कुमार मिश्र रहे। शिक्षक संघ अध्यक्ष बृजेश कुमार तिवारी ने कहा कि अरुणेंद्र कुमार द्विवेदी का कार्यकाल बहुत ही विभाग के प्रति वफादार रहा तथा तन मन से विभाग की सेवा की मुख्य अतिथि जिला मंत्री राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजेश कुमार मिश्र ने कहा कि श्री द्विवेदी का कार्यकाल बहुत ही सराहनीय रहा विभाग के सूचनाओं का आदान प्रदान बहुत ही गोपनीय तथा सही समय पर गोपनीयता के साथ करते रहे। मैं इनके उज्वल तथा स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं, कार्यक्रम का आयोजन संगठन ब्लॉक कोषाध्यक्ष प्रभु दयाल मिश्र तथा संचालन संगठन के जिला उपाध्यक्ष योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने किया। सेवानिवृत सम्मान समारोह में पूर्व एआरपी राजेश कुमार मिश्र, संयुक्त मंत्री विनोद पाण्डेय, टीएसटी प्रभारी अभिकेश त्रिपाठी, शिक्षक राजेंद्र शर्मा, राजकिशोर पांडेय, अनिल श्रीवास्तव, विजय शर्मा, सुरजीत तिवारी, रवि शुक्ला, पंकज तिवारी, .पा देव मिश्रा, दिलीप कुमार, शंकर सिंह, गोपाल जी श्रीवास्तव, अयोध्या मिश्र, राम जागे, श्याम सुंदर, शैलेन्द्र भूषण, संजय पाठक, सुनील तिवारी, मनोज कुमार, शैलेन्द्र भूषण आदि लोगो ने गिट देकर सम्मानित किया।

सपा विधायक आनंद यादव को दिल का दौरा पड़ने से बिगड़ी तबीयत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

कैसरगंज/बहराइच। विधानसभा कैसरगंज के विधायक आनंद

यादव को लखनऊ से घर लौटते समय दिल का दौरा पड़ गया। खबर के मुताबिक उन्हें सीएचसी जरवल मुस्तफाबाद में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें लखनऊ के लारी कार्डियोलॉजी संस्थान में रेफर किया गया, जहां समय से उपचार मिलने के कारण अब उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वे लखनऊ से वापस आ रहे थे और मसौली के पास पहुंचे, तभी उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा। संयोगवश, उनके पीछे ही जरवल सीएचसी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अशोक सिंह अपनी गाड़ी से जरवल लौट रहे थे। उन्होंने तुरंत विधायक को अपनी गाड़ी में बैठाया और रामनगर से दवा लेकर उन्हें खिलाई, फिर सीएचसी जरवल ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद, स्थिति गंभीर देकर उन्हें तत्काल लारी कार्डियोलॉजी के लिए रेफर कर दिया गया। इस दौरान डॉ. अशोक सिंह के साथ सीएचसी जरवल के डॉ. प्रशांत भी मौजूद थे। दोनों डॉक्टरों ने मानवीय आधार पर समय रहते उपचार कर उनकी जान बचाई। फिलहाल लारी कार्डियोलॉजी में उनका इलाज चल रहा है स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

यूरिया की किल्लत से जूझ रहे किसान, अधिकारी बने अनजान

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। क्षेत्र में यूरिया की किल्लत जारी है। किसानों को सहकारी समितियों पर यूरिया नहीं मिल पा रही है। निजी दुकानदार ओवररेटिंग कर रहे हैं। धान व गन्ने की टॉप ड्रेसिंग के लिए इस समय यूरिया की सबसे ज्यादा जरूरत है। किसानों की जरूरत का फायदा निजी दुकानदार उठा रहे हैं। नगर व ग्रामीण क्षेत्र के किसी भी सरकारी गोदाम पर यूरिया न होने से फसल की जरूरत को देखते हुए किसान महंगे दामों पर उर्वरक खरीदने को विवश हैं।

किसान नेता खलील शाह, कामरेड धर्मराज यादव ने अधिकारियों पर आरोप लगाया कि उनकी शह पर उर्वरक की कालाबाजारी की जा रही है किसी भी निजी दुकानदार के यहां ओवररेटिंग की जांच नहीं हो रही

यूरिया खाद के लिए भूखे प्यासे लाइन में खड़े किसान अधिकांश किसानों को लौटना पड़ा खाली हाथ

गैसड़ी/बलरामपुर। लगातार दो दिनों से हो रही रुक–रुक कर बारिश से किसान जहां खुश नजर आ रहे हैं वहीं यूरिया खाद के लिए मायूस भी नजर आते देखे जा रहे हैं क्षेत्र में बारिश होने से गन्ने की खेती में पूर्ण रूप से नमी आ गई है तो वहीं धान के फसल भी अच्छे दिखने लगी है लेकिन किसानों को यूरिया खाद न मिलने से चिंता बढ़ गई है किसानों का कहना है कि इस समय धान के फसल में यूरिया खाद डालना महत्वपूर्ण है तो वहीं गन्ने की खेती में भी खाद डालना अति महत्वपूर्ण है लेकिन किसान यूरिया खाद के लिए रोजाना दर–दर भटक रहे हैं और प्रशासन के लोग जगह–जगह यूरिया खाद की भारी उपलब्धता होने की ताल ठोक रहे हैं लेकिन सच तो यह है कि क्षेत्र के अधिकांश प्राइवेट दुकानों पर यूरिया की कमी चल रही है तो वहीं कुछ दुकानों पर खाद पहुंचते ही सुबह सारी खादें दो घंटे में बिक जाती है। लोगों ने एक कहावत का नजीर देते हुए कहा कि जहां छोटे–छोटे दुकानों पर चार पांच सौ किसान हो वहां सौ डेढ़ सौ बोरी खाद होना क्या लाजिम है अर्थात ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही है आखिर पहले जो किसान खेती कर रहे थे लगभग वही किसान आज भी खेती कर रहे हैं पिछले कई वर्षों में यूरिया खाद की कमी नहीं आई थी लेकिन इस वर्ष यूरिया खाद की कमी क्यों आ रही है तहसील तुलसीपुर के लगभग गैसड़ी पचपेड़वा ब्लॉक में यूरिया खाद की भारी किल्लत देखी जा रही है खाद कमी होने के चलते गैसड़ी पचपेड़वा क्षेत्र के सैकड़ो किसान जनपद सिद्धार्थनगर के महादेव, दोपेड़ीया चौराहा, मन्नीजोत, सहियापुर सहित अन्य कई जगहों से महंगे दामों में खाद लाते हुए देखें गये हैं किसानों का कहना है कि बसपा कार्यकाल में खाद के बदले लाठियां बरसी थी या तो उस वक्त की घटना याद है और वर्तमान समय में यूरिया खाद की कमी के चलते पूरे दिन भूखे प्यासे रह कर खाद के लिए लम्बी लाइन में खड़े रहना पड़ता यहां तक कि खाली हाथ भी लौटना पड़ता है। इतना ही नहीं बल्कि कुछ स्थानों पर किसानों से खतौनी व आधार की कापी मांगी जाती है जिससे किसानों पर भारी बोझ व परेशानी दोनों झेलनी पड़ती है क्षेत्र के भोजपुर चौराहे पर देर शाम तक करीब 500 किसानों की लंबी लाइन लगी हुई थी जहां केवल 100 बोरी यूरिया खाद आया था लेकिन देर शाम तक महिला व पुरुष यूरिया खाद के लिए डटे रहे वहीं करीब 400 किसानों को खाद नहीं मिल पाया और खाली हाथ वापस जाना पड़ा मौजूद किसान जगई भारती, स्वामीनाथ, अयोध्या पाल, राजकुमार, तिलकराम मौर्य, तुलसीराम, रामसमुझ, रामसुख, धनीराम यादव, रंजू देवी, सरिता, गुड़िया, सबरुन निशा सहित करीब 400 किसानों को खाली हाथ वापस लौटना पड़ा और खाद के लिए दर–दर लोग भटक रहे हैं किसानों ने मांग की है कि सरकारी व प्राइवेट सभी दुकानों पर यदि खाद की उपलब्धता हो जाए तो किसानों की समस्या समाधान हो जाएगी।

सभी शिक्षण संस्थान प्रत्येक दशा में प्राप्त कुल आवेदन को माह के अंतिम दिवस से पूर्व करें निस्तारण: मुख्य विकास अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की गयी, बैठक में माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा संस्थानों के प्राचार्य/प्रधानाचार्य एवं छात्रवृत्ति नोडल सहित समाज कल्याण ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया, पिछड़ा कल्याण अधिकारी एवं अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा एवं सम्बंधित कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यशाला में अवगत कराया गया कि शासन ने इस वर्ष छात्रवृत्ति सम्बंधित एकीकृत समय सारणी बनाया है, जिसके द्वारा तीनों विभागों की अलग-अलग समय सारणी के कारण आने वाली समस्याओं का निस्तारण कर दिया गया है। समय सारणी अनुसार सभी सम्बंधित हितधारकों को नियमानुसार कार्यवाही करनी है। बैठक में छात्रवृत्ति सम्बंधित तीनों विभाग के अधिकारियों द्वारा पी0पी0टी0 एवं वीडियो के माध्यम से समस्त शिक्षण संस्थानों को छात्रवृत्ति पोर्टल पर हुए संशोधन और की जाने वाली प्रक्रियाओं को अवगत कराया गया एवं उसकी एक प्रति वितरित की गई। शिक्षण संस्थानों को अवगत कराया गया कि वर्ष 2024-25 में आपके शिक्षण संस्थान में जिन बच्चों को छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है, उनका निर्देशानुसार सूचना पोर्टल पर अपडेट करते हुए मास्टर डाटा को अपडेट किया जाना है। शिक्षण संस्थानों को संशोधित समय सारणी से अवगत कराते हुए बताया गया कि प्रथम चरण में समस्त शिक्षण संस्थानों को 31 अगस्त 2025 तक समस्त आवेदनों को रिसीव, रिजेक्ट अथवा वैरीफाई तथा अग्रसारित करना है ताकि 02 अक्टूबर को बच्चों को छात्रवृत्ति स्वी. त प्रमाण पत्र प्रदान की जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि शिक्षण संस्थानों को यह ध्यान में रखना है कि छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना अब सीएम डैशबोर्ड पर शामिल हो चुकी है जिसका अर्थ यह है कि प्रत्येक माह कुल आवेदन के सापेक्ष शिक्षण संस्थानों द्वारा रिजेक्ट अथवा अग्रसारित किए गए आवेदनों का प्रतिशत प्रदर्शित होता है और उसी के आधार पर जिले की ग्रेडिंग तय होती है। ग्रेडिंग प्रथम से कम होने की स्थिति में जिले के विकास पर

नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और इसके लिए संबंधित शिक्षण संस्थान, जिला विद्यालय निरीक्षक, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी एवं सम्बंधित विभागीय अधिकारी जिम्मेदार होंगे। इस तथ्य पर बल दिया गया कि वर्ष 2025-26 में छात्रवृत्ति पोर्टल में संशोधन हुए हैं एवं प्रत्येक बच्चे जो छात्रवृत्ति का आवेदन करना चाहते हैं,उन्हें पहले वन टाइम रजिस्ट्रेशन(ओटीआर) करना होगा और उसके बाद ही वह आवेदन कर पाएंगे। इसके लिए समस्त शिक्षण संस्थानवार बच्चों के साथ भी एक कार्यशाला आयोजित करते हुए सम्पूर्ण तथ्यों से अवगत करायें। जिसकी रिपोर्ट जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से प्राप्त करने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया। साथ ही शिक्षण संस्थानों को निर्देशित किया गया कि किसी भी स्थिति में संस्थान आवेदनों को कार्यवाही के लिए लम्बित नहीं रखेंगे एवं समस्त बच्चों के आवेदन पर आप निर्णय लेंगे। अगर रिजेक्ट का आधार है तो आप रिजेक्ट करेंगे अन्यथा उसे फारवर्ड ही करेंगे और प्रत्येक माह के अंतिम तिथि से पूर्व समस्त आवेदनों पर आप निर्णय ले लेंगे अन्यथा अगले माह ऐसे संस्थानों को चिन्हित करते हुए आवश्यक विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि कल्याण सेक्टर के छात्रवृत्ति से संबंधित तीनों अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि अपने कार्यालय स्तर से आवश्यकता अनुरूप कार्मिकों के ड्यूटी लगाते हुए छात्रवृत्ति सेल का गठन करें एवं प्रतिदिन पोर्टल का अनुश्रवण सुनिश्चित करें, की किन संस्थानों के स्तर पर आवेदनों के सापेक्ष निर्णय लिया जाना या प्रक्रिया किया जाना लंबित है ताकि उन्हें अवगत कराते हुए प्रत्येक माह की अंतिम तिथि से पूर्व संपूर्ण आवेदनों का निस्तारण किया जाना सुनिश्चित हो सके। साथ ही संशोधित समय अनुसार पूर्वदशम-दशमोत्तर (कक्षा 9-12) छात्रवृत्ति की निर्धारित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित करें ताकि 02 अक्टूबर के .ष्टिगत बच्चों को छात्रवृत्ति प्राप्त हो सके तथा उच्च शिक्षा सहित अवशेष समय सारणी का निर्देशानुसार अनुपालन सुनिश्चित करें। शिक्षण संस्थान द्वारा कक्षा-09 हेतु छात्रवृत्ति के आवेदन के क्रम में बच्चों की जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार तथा टी0सी0 के मध्य विषमता का विषय उठाया गया। उक्त के क्रम में आधार संशोधन में आ रही कठिनाई पर चर्चा की गयी एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक एवं छात्रवृत्ति नोडल सहित समाज कल्याण, पिछड़ा कल्याण एवं अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को निर्देश दिया गया।

25000 हजार रुपये का घोषित अपराधी समेत 03 शातिर अपराधी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री हर्ष पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक ओबरा श्री राजेश कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में 05.08.2025 को थाना ओबरा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजी.त मु0अ0सं0 174/25 धारा 303(2) बीएनएस से सम्बन्धित से 03 नफर अभियुक्तगण 1-दीपनारायण बैगा उर्फ दीपू पुत्र शम्भू बैगा निवासी पनारी टोला कढ़िया थाना ओबरा जनपद सोनभद्र, 2- दयाशंकर बैगा उर्फ दयाराम पुत्र रामप्रसाद निवासी निवासी कढ़िया थाना ओबरा जनपद सोनभद्र, 3- कन्हई उर्फ कन्हैया पुत्र सीता राम बैगा निवासी कढ़िया थाना ओबरा जनपद सोनभद्र को मुखबिर की सूचना पर रेणु नदी पुल पर से गिरफ्तार कर तलाशी ली गयी तो उनके कब्जे से एक अदद चोरी की मोटरसाईकिल वाहन संख्या न्य64 P 7120 हीरो सुपर स्पलेन्डर तथा अभियुक्त दीपनारायण बैगा उर्फ दीपू पुत्र शम्भू बैगा निवासी पनारी टोला कढ़िया थाना ओबरा जनपद सोनभद्र के कब्जे से 01 किलो 100 ग्राम नाजायज गांजा बरामद किया गया, जिसके सम्बन्ध में थाना ओबरा पर अभियुक्त दीपनारायण बैगा उर्फ दीपू के विरुद्ध मु0अ0सं0- 175/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजी. त किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त दयाराम उर्फ दयाशंकर बैगा जनपद के कई थानों से वांछित चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पूर्व में 25000 रुपये पुरस्कार की घोषणा की गयी थी। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण को न्यायालय रवाना किया।

जिला अस्पताल लोढ़ी में बम रखे जाने की भ्रामक सूचना देने वाला गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। कालर द्वारा डायल 112 पर जिला अस्पताल लोढ़ी में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बम रखे जाने की सूचना दी गई। इस संवेदनशील सूचना के .ष्टिगत पुलिस द्वारा तत्काल गंभीरता से संज्ञान लिया गया। सूचना प्राप्त होते ही अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, प्रभारी निरीक्षक थाना रॉबर्ट्सगंज, चौकी प्रभारी लोढ़ी, फील्ड यूनिट, फायर सर्विस टीम सहित अन्य पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचे। जिला अस्पताल परिसर में मौजूद सभी वार्डों, परिसर एवं संवेदनशील स्थानों की गहनता से चेकिंग की गई। तलाशी अभियान के दौरान परिसर में कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु अथवा बम जैसी कोई सामग्री प्राप्त नहीं हुई। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) तथा क्षेत्राधिकारी नगर के आदेश के क्रम में 05.08.2025 को सर्विलांस के माध्यम से थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस टीम द्वारा जिला अस्पताल लोढ़ी में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बम रखे जाने की भ्रामक सूचना देने वाले व्यक्ति कैफ पुत्र सफीक उम्र 19 वर्ष निवासी मधुपुर थाना रा0गंज को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेजा गया।

पुलिस अधीक्षक, द्वारा जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं

एवं शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण एवं निष्पक्ष निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई व महिला हेल्पडेस्क को अधिक प्रभावशाली और संवेदनशील बनाया जाए, ताकि आमजन को बार-बार पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न पड़े तथा उनकी समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन शिकायतों का निस्तारण थाना स्तर पर संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निष्पादित किया जाए। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों द्वारा भी अपने-अपने कार्यालयों/थानों पर जनसुनवाई करते हुए आमजन से प्राप्त शिकायतों का त्वरित व प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे पुलिस व जनता के मध्य विश्वास और सहयोग की भावना और अधिक सुदृढ़ हो सके।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के छात्र शिवम पाण्डेय का दिल्ली स्टेट ताइक्वांडो चौंपियनशिप में चयन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के छात्र शिवम पाण्डेय का चयन 38वीं दिल्ली स्टेट ताइक्वांडो चौंपियनशिप के लिए हुआ

है। यह प्रतियोगिता 21 से 23 अगस्त तक त्यागराज स्टेडियम, दिल्ली में आयोजित की गई है। विद्यालय के प्रबंधक वीरेन्द्र शुक्ल, प्रबन्ध निदेशक विन्ध्य शुक्ला, प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने चयन पर शिवम पाण्डेय को सम्मानित कर हौसला बढ़ाया। कहा कि निश्चित रूप से ये विजेता बनकर लौटेंगे। शिवम पाण्डेय ताइक्वांडो प्रशिक्षक आशुतोष सिंह से प्रशिक्षण ले रहे हैं। वे प्रतियोगिता के दौरान भी उनके साथ रहेंगे।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की मांग अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू हो

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा डी बी ए अध्यक्ष जगजीवन सिंह की अध्यक्षता व महामंत्री प्रदीप कुमार मौर्य के संचालन में डी बी ए सभागार में सचिव प्रशासन अविनाश यादव एड का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। तथा अधिवक्ताओं के हितों की सुरक्षा के लिए विचार विमर्श किया गया। अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि वकीलों की स्वतंत्रता, विधि शासन के लिए एक अनिवार्य शर्त है यहां वकील कानून के शासन को बनाए रखने और न्याय सुनिश्चित करने में भूमिका निभाते हैं वे आज हिंसा, उत्पीड़न और डराने-धमकाने का निशाना बन गए हैं।

वकील न्याय के प्रशासन, मानवाधिकारों की रक्षा, लोकतंत्र और कानून के शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बहरहाल, यह स्पष्ट है कि वकीलों पर व्यक्तिगत और संस्थागत रूप से हमले लगातार हो रहे हैं जिससे स्वतंत्र रूप से और सुरक्षित रूप से कानून का अभ्यास करने की उनकी क्षमता खतरे में पड़ गई है। इसलिए अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम अविलंब लागू किया जाना आवश्यक है इस अवसर पर बोलते हुए वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एड ने कहा कि मौलिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए कानूनी पेशे की स्वतंत्रता आवश्यक है। यदि अधिवक्ता स्वतंत्र, निष्पक्ष, वस्तुनिष्ठ और अखंडता, स्वायत्तता और तटस्थता के साथ कार्य करने में असमर्थ होता है तो न तो विधि शासन कायम रह सकता और न ही न्याय ठीक से प्रशासित हो सकता है। इस अवसर पर राजेश कुमार यादव, राजेश कुमार मौर्य, रामनियावन यादव, पंकज यादव, टीटू गुप्ता, शाहनवाज खान, कामता प्रसाद यादव, सुनीता मौर्या, गौरव श्रीवास्तव, दलश्य यादव, अभिषेक सिंह, इंदुपाल, नवीन पांडेय, प्रदीप कुमार, याकूब आदि उपस्थित रहे

एएसपी मुख्यालय द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क में परेड की ली गई सलामी, किया गया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अनिल कुमार अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) द्वारा पुलिस लाईन चुर्क परेड ग्राउंड में मंगलवार परेड की सलामी

ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। निरीक्षण के क्रम में उनके द्वारा यूपी0-112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण/सुरक्षा उपकरणों के सम्बंध में जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी व पुलिस लाईन चुर्क में चल रही जेटीसी का किया गया निरीक्षण, तत्पश्चात पुलिस लाईन चुर्क में स्थित क्वार्टर गार्ड पर तैनात सलामी गार्ड द्वारा एएसपी मुख्यालय को सलामी दी गयी जिसपर उनके द्वारा सलामी का अभिवादन स्वीकार किया गया। इस दौरान क्वार्टर गार्ड, स्टोर, परिवहन शाखा, मेस, पुलिस बैरक व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

परिषदीय स्कूलों को देनी होगी खेल रुचि अनुसार विद्यार्थी सूची

महराजगंज। परिषदीय स्कूलों की बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता अब राष्ट्रीय स्तर तक आयोजित की जाएगी। इसके लिए विभाग ने सभी परिषदीय स्कूलों से उन खेलों की सूची और विद्यार्थियों के नाम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं जो राष्ट्रीय स्तर तक पहचान रखते हैं। इसमें खो खो, कबड्डी, रनिंग जैसे खेलों को प्राथमिकता देनी है। जनपद में 1530 परिषदीय स्कूलों का संचालन मौजूदा समय में हो रहा है, जिनमें दो लाख से अधिक नामांकन हैं। सभी स्कूलों को बच्चों की रुचि खेल के प्रति बढ़ाने के लिए स्पोर्ट्स ग्रांट प्रतिवर्ष मिलती है। खेल स्पर्धा स्कूल स्तर से लेकर राज्यस्तर तक होती है, लेकिन इस बार इसे राष्ट्रीय स्तर तक आयोजित किया जाएगा।

प्रधानाचार्य संघ एवं जी एन आई ओ टी द्वारा कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। प्रधानाचार्य संघ एवं जी एन आई ओ टी के संयुक्त तत्वाधान में जनपद सोनभद्र के जिला मुख्यालय स्थित बाबा शोभनाथ हायर सेकेंडरी स्कूल लोढ़ी पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 40 प्रधानाचार्य सहित प्रबंधकों को मुख्य अतिथि अपर सचिव विनोद कुमार राय के नेतृत्व में सम्मानित किया गया। जी एन आई ओ टी के एडवाइजर उमेश सिंह उर्फ लालू बाबा ने फार्मूला बुक देकर के प्रधानाचार्यों को फॉर्मूला बुक के बारे में बताया कि इससे बच्चों को किस तरह लाभ होता है वह इससे मेरिट में किस प्रकार से अच्छे स्थान पा सकते हैं। इस अवसर पर वाराणसी के जिला शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक एवं प्रधानाचार्य संतोष कुमार सिंह, प्रबंधक महासभा सोनभद्र के जिलाध्यक्ष सुशील कुमार चौबे, माध्यमिक वित्त विहीन शिक्षक महासभा के जिलाध्यक्ष उमाकांत मिश्र, डा बृजेश कुमार सिंह, माध्यमिक शिक्षक संघ चेत नारायण गुट के जिलाध्यक्ष संजय पाठक, म्योरपुर से सोमनाथ तिवारी, डा अमर देव पांडेय, जयंत प्रसाद, नरेंद्र देव पांडेय, सतीश पाण्डेय सहित चार दर्जन से अधिक प्रधानाचार्य एवं शिक्षक गण उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद- सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

वीकेंड पर महावतार नरसिम्हा की गर्जना, सैयारा, सन ऑफ सरदार 2 समेत इन फिल्मों का चटाई धूल

होम्बले फिल्म्स की महावतार यूनिवर्स की पहली फिल्म महावतार नरसिम्हा दूसरे वीकेंड पर धूम मचा दी है. अश्विन कुमार की निर्देशित इस एनिमेटेड फिल्म ने अपने रिलीज के दूसरे वीकेंड पर सैयारा, सन ऑफ सरदार 2 जैसी कई फिल्मों पर भारी पड़ी और सभी नई रिलीज फिल्मों से ज्यादा कमाई की.

बॉक्स ऑफिस पर महावतार नरसिम्हा के अलावा सैयारा, सन ऑफ सरदार 2, किंगडम, धड़क 2 समेत कई नई फिल्म रन कर रही है. लेकिन अगस्त के पहले रविवार को महावतार नरसिम्हा की आंधी में ये सभी फिल्में पस्त हो होती दिखीं. 3 अगस्त को महावतार नरसिम्हा देखने के लिए भारी संख्या में दर्शक देखने को पहुंचे. फिल्म को दर्शकों से खूब प्यार मिल रहा है. इस अंदाजा फिल्म के कलेक्शन से लगाया जा सकता है. 25 जुलाई रिलीज हुई महावतार नरसिम्हा ने दूसरे रविवार को बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की. पहली बार फिल्म ने 20 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई की है. यह फिल्म अबतक की सबसे ज्यादा कमाई है. सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले सप्ताह में 44.75 करोड़ रुपये की कमाई की. वहीं, दूसरे शुक्रवार को 7.7 करोड़ का बिजनेस किया.

दूसरे शनिवार को फिल्म के कलेक्शन में भारी उछाल देखा गया. फिल्म ने 15.4 करोड़ रुपये का बिजनेस की. वहीं, रविवार को इसने पहली बार 23.4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. इन 10 दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन 91.25 करोड़ रुपये हो गया है.

वहीं, मेकर्स ने बताया कि फिल्म महावतार नरसिम्हा ने भारत में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है. फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, दिव्य शक्ति से पिछले रिकॉर्ड तोड़ते हुए महावतार नरसिम्हा ने भारत में 105 करोड़ से ज्यादा की कमाई पार कर ली है और बॉक्स ऑफिस पर बेतहाशा धमाल मचा दिया है. सिनेमाघरों में एक दिव्य घटना आपका इंतजार कर रही है.

साउथ स्टार विजय देवरकोंडा की स्पाई एक्शन फिल्म किंगडम 31 जुलाई को सिनेमाघरों में उतरी. सैकनिल्क के मुताबिक, किंगडम ने ओपनिंग डे पर 18 करोड़ रुपये का बिजनेस की. वहीं शुक्रवार, शनिवार और रविवार को विजय की फिल्म ने क्रमशः 7.5 करोड़ रुपये, 8 करोड़ रुपये और 7 करोड़ रुपये की कमाई की. इस तरह किंगडम की कुल कमाई 40.50 करोड़ रुपये हो गई है.

घरवाली पेड़वाली पर बोलीं प्रियंवदा कांत– टीवी पर कम दिखते हैं सुपरनैचुरल कॉमेडी शो

अभिनेत्री प्रियंवदा कांत जल्द ही एण्ड टीवी के नए धारावाहिक घरवाली पेड़वाली में लतिका की भूमिका में नजर आएंगी। इस शो में वह पेड़वाली– यानी एक आत्मा की भूमिका निभा रही हैं।

अभिनेत्री ने बताया कि टीवी पर सुपरनैचुरल कॉमेडी वाले शो बहुत कम हैं। प्रियंवदा ने बताया कि भारतीय टेलीविजन पर सुपरनैचुरल कॉमेडी बहुत कम देखने को मिलती है और यही वजह है कि वह शो उनके लिए खास है। घरवाली पेड़वालीय की कहानी लतिका नामक एक आत्मा के इर्द–गिर्द घूमती है, जो अचानक जीवित लोगों की दुनिया में लौट आती है। वह मुख्य पात्र जीतू शर्मा की पत्नी के रूप में सामने आती है। प्रियंवदा ने अपनी भूमिका के बारे में कहा, लतिका सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि इस कहानी का भावनात्मक और कथानक का केंद्र है। उसका किरदार कहानी को आगे बढ़ाता है। इस अनोखे और फ्रेश थीम वाले शो का हिस्सा बनकर मैं उत्साहित हूं। प्रियंवदा ने बताया कि लतिका का किरदार जीवंत, कॉमेडी और चुलबुला है, जिसे निभाना उनके लिए बेहद मजेदार है। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से हास्य किरदार निभाना पसंद है और यह मेरा मजबूत पक्ष है। लतिका की मजाकिया नेचर से मैं खुद को जोड़ पाती हूं, क्योंकि मुझे वास्तविक जीवन में भी मजाक करना पसंद है। इस शो में हास्य, भावनाओं, छोटे शहर के आकर्षण और देसी अंदाज का शानदार मिश्रण है। इस महीने की शुरुआत में घोषणा हुई थी कि अभिनेता पारस अरोड़ा इस शो में जीतू की भूमिका निभाएंगे। जीतू एक साधारण व्यक्ति है, जिसका जीवन असामान्य परिस्थितियों में उलझ जाता है। उसे दो माताओं और दो पिताओं ने पाला है, वह दो बॉस के अधीन काम करता है और अब एक अजीब मोड़ के कारण उसकी दो पत्नियां हैं। पारस ने कहा, जीतू का किरदार मुझे अपनी सादगी, हास्य और भावनात्मक गहराई के कारण पसंद आया। आजकल कॉमेडी शो कम ही बनते हैं और यह शो दर्शकों को खुशी देने का मौका देता है। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि इसकी प्रामाणिकता को और बढ़ाती है। घरवाली पेड़वालीय जल्द ही एण्ड टीवी पर प्रसारित होगा।

सैयारा का बॉक्स ऑफिस पर धमाल जारी, 300 करोड़ रुपये से चंद कदम दूर

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म सैयारा को 18 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और पहले दिन से ही यह लगातार बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ रही

है। तीसरे सप्ताह में भी इस फिल्म का खुमार दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। आए दिन यह कोई न कोई रिकॉर्ड तोड़ रही है। आइए जानते हैं कि 17वें दिन सैयारा का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन कैसा रहा।

बॉक्स ऑफिस का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, सैयारा ने अपनी रिलीज के 17वें दिन 8 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 299.75 करोड़ रुपये हो गया है। भारत में इस फिल्म की कमाई 300 करोड़ रुपये की ओर है। दुनियाभर में इस फिल्म ने अब तक 460.15 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। बता दें, छावा के बाद सैयारा इस साल की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म बन चुकी है।

सैयारा की कहानी की नायिका वाणी बत्रा (अनीत पड्डा) हैं, जिनका दिल टूट चुका है और हीरो हैं कृष कपूर (अहान पांडे) जो अपने सपने जोड़ने निकले हैं। फिल्म दोनों की दर्द भरी प्रेम कहानी के इर्द–गिर्द घूमती है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान मोहित सूरी ने संभाली है, जिसके लिए उन्होंने यशराज फिल्म्स से हाथ मिलाया है। बॉक्स ऑफिस पर सैयारा का सामना सन ऑफ सरदार 2, धड़क 2 और महावतार नरसिम्हा से हो रहा है।

120 बहादुर का टीजर हुआ रिलीज?, फिल्म से आया फरहान अख्तर का नया पोस्टर

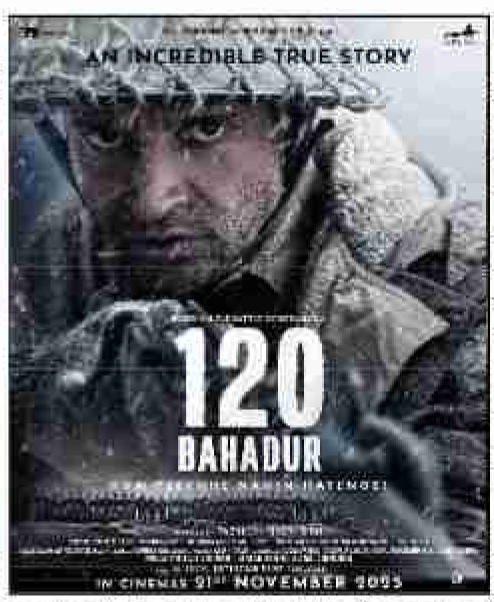

फरहान अख्तर एक बार फिर बड़े पर्दे पर दमदार वापसी करने जा रहे हैं अपनी फिल्म 120 बहादुर के साथ, जो सच्ची घटनाओं पर आधारित है. ये कहानी है भारतीय सेना के इतिहास के सबसे वीरतापूर्ण आखिरी युद्धों में से एक की जो 1962 में भारत–चीन के बीच रेजांग ला में लड़ी गई थी. इस लंबे समय से इंतजार की जा रही फिल्म का टीजर मंगलवार, 5 अगस्त 2025 को आएगा, जो पहली बार इस अनछुई कहानी की झलक दिखाएगा.

इस फिल्म का निर्देशन रजनीश रेजी घई ने किया है. इसमें फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी का रोल निभा रहे हैं जिन्होंने 120 भारतीय सैनिकों की टीम को लीड करते हुए हजारों चीनी सैनिकों से लद्दाख की रक्षा की थी. उनकी इस बहादुरी ने चीनी सेना को एकतरफा युद्ध रोकने पर मजबूर कर दिया था, बता दें कि ये एक ऐसा सच है जिसे कम लोग जानते हैं, लेकिन फिल्म इसे पूरे जोश और दम के साथ दिखाती है.

लद्दाख, राजस्थान और मुंबई में शूट हुई इस फिल्म के लिए टीम ने 14,000 फीट की ऊंचाई पर युद्ध का माहौल फिर से तैयार किया, जहां तापमान इ10ए सेल्सियस तक गिर जाता है. असलीपन और बड़े पैमाने को बनाए रखने के लिए टीम ने ऑस्कर जीतने वाली ऑल क्विट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट की एक्शन टीम को जोड़ा और बर्फीले युद्ध के शानदार माहौल बनाने में माहिर यूके की स्नो बिजनेस कंपनी के साथ काम किया.

120 बहादुर को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले, ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज के अमित चंद्रा के साथ मिलकर बनाया है. यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. रेजांग ला की अनकही कहानी, मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी की वीरगाथा से सजा 120 बहादुर का टीजर 5 अगस्त को आने के लिए तैयार है.

ठंडा, गर्म या गुनगुना पानी, दवा लेने के लिए कौन सा पानी ज्यादा बेहतर? जानें, कहीं आप रोज तो नहीं कर रहे ये गलती?

आजकल बहुत से लोग किसी न किसी समस्या से जूझ रहे हैं. ऐसे में ज्यादातर लोग स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने के लिए दवा का इस्तेमाल करते हैं. लेकिन, जब भी हम दवा लेते हैं, तो हममें से कई लोगों के मन में यह शंका होती है कि दवा ठंडे पानी के साथ लेनी चाहिए या गुनगुने पानी के साथ. यह सवाल लगभग सभी के मन में आता है. कुछ लोग बिना सोचे–समझे ठंडे पानी के साथ दवा ले लेते हैं, तो कुछ लोग गुनगुने पानी का इस्तेमाल करते हैं. बहरहाल, आज इस खबर में विशेषज्ञों से जानें कि दवा कैसे लेनी चाहिए और यह स्वास्थ्य के लिए कैसे फायदेमंद है..

दवा की प्रकृति को समझना महत्वपूर्ण है. हम आमतौर पर दवाइयां टैबलेट, कैप्सूल, सिरप या सस्पेंशन के रूप में लेते हैं. चाहे किसी भी रूप में ली जाए, शरीर में हर प्रकार की दवा का अवशोषण अलग–अलग होता है. इसलिए, विशेषज्ञ दवा की प्रकृति के अनुसार दवा लेने की सलाह देते हैं. दवा की प्रकृति ही यह निर्धारित करती है कि उसे किस तापमान पर लेना चाहिए.

एक गलती जो बहुत से लोग करते हैं. कई लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेकर बहुत बड़ी गलती कर देते हैं. आपको बता दें, जब हम दवाइयां लेते हैं तो वो पेट की बायोलॉजिकल मेम्ब्रेन में अवशोषित हो जाती हैं. ऐसे में दवाइयों में मौजूद तत्वों के अच्छे से अवशोषित होने के लिए पेट के इंटरनल एनवायरमेंट, जिसमें पेट और आंतों का तापमान भी शामिल है, का सही होना बहुत जरूरी है. जब लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेते हैं तो इससे शरीर का आंतरिक तापमान कम हो जाता है. इससे दवाइयों की घुलनशीलता कम हो जाती है. जब लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेते हैं तो शरीर ली गई दवा के प्रोसेस पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता है और अपनी सारी एनर्जी पानी के तापमान को सामान्य करने में खर्च कर देता है. ऐसे में बता दें कि ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेने से दवाइयों का असर कम हो जाता है. क्या ठंडे पानी के साथ दवा लेना हानिकारक है? ठंडे पानी के साथ दवा लेने के नुकसान जानने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है. इसके नुकसान को साबित करने के लिए पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं है. लेकिन ठंडे पानी के साथ दवा लेने से बचना चाहिए. ऐसा इसलिए है क्योंकि आमतौर पर इंजेक्शन की तुलना में दवा की सामग्री को आवश्यक स्थान तक पहुंचने में अधिक समय लगता है. दवाइयों के अवशोषित होने से पहले, ठंडे पानी को शरीर के तापमान पर लाना आवश्यक है. यह प्रोसेस दवाइयों के अवशोषण में और देरी करती है. सर्दी या गले में खराश: गले में खराश, खांसी या सर्दी होने पर डॉक्टर आमतौर पर गुनगुने पानी से गरारे करने और दवा लेने की सलाह देते हैं. क्योंकि गुनगुने पानी गले को आराम देता है और दवा लेना आसान बनाता है, जबकि ठंडा पानी गले में जलन और बेचैनी पैदा कर सकता है. कुछ दवाएं गुनगुने पानी के साथ लेने पर तेजी से असर करती हैं.

दवा लेने का सही तरीका क्या है? दवा लेने के लिए सादा या कमरे के तापमान वाला पानी (गुनगुना पानी) पीना आमतौर पर सबसे अच्छा ऑप्शन है, क्योंकि यह दवा के अवशोषण में मदद करता है और शरीर के लिए सौम्य होता है. जबकि अत्यधिक ठंडा पानी कुछ दवाओं के असर को धीमा कर सकता है. हम अक्सर डॉक्टरों को गुनगुना पानी या सादे पानी के साथ दवा लेने की सलाह देते सुनते हैं. ऐसा इसलिए है क्योंकि गुनगुने पानी के साथ दवा लेने से वह पेट में आसानी से घुल जाती है और आपके पेट और आंतों में पर्याप्त गर्मी बनी रहती है. इससे दवा का अवशोषण भी बेहतर होता है. साथ ही, दवा जल्दी असर दिखाने लगती है.

ध्यान रहें, गुनगुने पानी के साथ दवा लेना सभी दवाओं के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता है. विशेष रूप से उन दवाओं के लिए जिन्हें धीमी गति से अवशोषित करने की आवश्यकता होती है.